हिन्दी दैनिक
जौनपुर, लखनऊ व भदोहीं से प्रकाशित
देश की उपासना
देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए
dku live & dkunews24
www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org
वर्ष : 04 अंक–76 : जौनपुर, शनिवार 07 मई 2022 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज –4 मूल्य : 2 रूपया

दुनिया में कोरोना से 1.5 करोड़ मौत : WHO का दावा– छुपाया गया आंकड़ा : भारत में 47 लाख लोग शिकार

गोरखपुर ब्यूरो राजनारायण ओझा : दुनिया के कई हिस्सों में कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच विश्व स्वास्थ्य संगठन ने एक रिपोर्ट जारी की है. हेल्थ एजेंसी के मुताबिक, दुनिया भर में कोरोना से लगभग 1.5 करोड़ लोगों की जान गई है, जो कि ऑफिशियल रिलीज डेटा से 3 गुना ज्यादा है। भारत पर नजर डालें तो यहां कोरोना से 47 लाख मौतें होने का अनुमान लगाया गया है, जो दुनिया भर की मौतों का एक तिहाई है और ऑफिशियल आंकड़ों की तुलना में 10 गुना ज्यादा है. ॅभ्व् ने महामारी के दौरान हुई मौतों में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष, दोनों तरह की मौतों को शामिल किया है. यह आंकड़े जनवरी 2020 से दिसंबर 2021 तक के हैं. ऑफिशियल आंकड़े विश्व में सिर्फ 54 लाख मौतों की जानकारी ही देते हैं। रिपोर्ट में ऐसे मरीजों को भी गिना गया है जिनकी मौत महामारी के दौरान अप्रत्यक्ष रूप से हुई थी यानी, इसमें 95 लाख वो लोग भी शामिल हैं जो दूसरी बीमारियों से पीड़ित थे, लेकिन उन्हें सही वक्त पर इलाज नहीं मिल सका. WHO की मानें तो महामारी से पहले भी दुनिया में हर 10 में से 6 लोगों की मौत दर्ज नहीं की गई. केंद्रीय गृह मंत्रालय ने भी मंगलवार को एक रिपोर्ट जारी की थी. सिविल रजिस्ट्रेशन सिस्टम 2020 नाम से जारी रिपोर्ट के मुताबिक, 2020 में देश में कुल 81.16 लाख लोगों की मौत हुई थी. इनमें से 45ः लोगों को कोई मेडिकल ट्रीटमेंट नहीं मिला था. इलाज के अभाव में यह अब तक की सबसे ज्यादा मौतें हैं. 2019 में यह आंकड़ा देश भर में हुई मौतों का 34.5% था। WHO की रिपोर्ट के मुताबिक, महामारी के दौरान चीन, ऑस्ट्रेलिया, जापान और नॉर्वे जैसे देशों में अप्रत्यक्ष रूप से मौतें कम हुईं. जहां चीन में अब भी जीरो कोविड पॉलिसी अपनाई जा रही है, वहीं

ऑस्ट्रेलिया में सख्त टेस्टिंग और आइसोलेशन फॉलो किया जा रहा है. दूसरी ओर, वैज्ञानिकों को अफ्रीका के 54 देशों में से 41 देशों के भरोसेमंद रिकॉर्ड्स नहीं मिल सके। भारत सरकार ने WHO की रिपोर्ट पर आपत्ति दर्ज करवा दी है. भारत सरकार ने उस आंकड़े पर ही सवाल खड़ कर दिए हैं. उनके मुताबिक जिस तकनीक या मॉडल के जरिए विश्व स्वास्थ्य संगठन ने ये आंकड़े इकट्ठा किए हैं, वो ठीक नहीं है. जारी बयान में कहा गया कि भारत की आपत्तियों के बावजूद भी WHO ने पुरानी तकनील और मॉडल के जरिए मौत के आंकड़े जारी कर दिए हैं, भारत की चिंताओं पर सही तरीके से गौर नहीं किया गया। सरकार ने इस बात पर भी जोर दिया कि WHO द्वारा जो आंकड़े जारी किए गए हैं वो सिर्फ 17 राज्यों को लेकर है. केंद्र के मुताबिक वो कौन से राज्य हैं, WHO द्वारा लंबे समय तक वो भी स्पष्ट नहीं किया गया था. अभी ये भी नहीं पता है कि कब ये आंकड़े इकट्ठा किए गए थे. इसके अलावा सरकार ने इस बात पर भी आपत्ति दर्ज करवाई कि WHO ने मैथमेटिकल मॉडल का इस्तेमाल कर आंकड़े जुटाए, जबकि भारत द्वारा हाल ही में विश्वनीय ब्ट रिपोर्ट जारी की गई।

रिजर्व पुलिस लाइन के परेड ग्राउण्ड में शारीरिक व मानसिक रूप से फिट रहने के लिए लगवाई गयी दौड़

गोरखपुर ब्यूरो राजनारायण ओझा : वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गोरखपुर द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन गोरखपुर स्थित परेड ग्राउण्ड में शुक्रवार परेड का किया गया निरीक्षण,शारीरिक व मानसिक रूप से फिट रहने के लिए लगवाई गयी दौड़, अनुशासन व एकरूपता बनाए रखने के लिए टोलीवार करवाया गया ड्रिल,दिए गए आवश्यक दिशा निर्देश ।साप्ताहिक शुक्रवार परेड की सलामी ली तथा परेड का निरीक्षण किया। निरीक्षण के पश्चात वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गोरखपुर ने शारीरिक एवं मानसिक रूप से फिट रहने के लिए परेड को दौड़ लगवाई। परेड में एकरूपता व अनुशासन बनाए रखने के लिए टोलीवार ड्रिल करवाई गई, ड्रिल देखकर उसे और बेहतर तरीके से कराने के लिए प्रभारी पुलिस लाइन को निर्देशित किया व अन्य महत्वपूर्ण दिशा निर्देश भी दिए। तत्पश्चात वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गोरखपुर ने पुलिस लाइन के महत्वपूर्ण रजिस्टरों की चेकिंग कर आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गये। इस दौरान क्षेत्राधिकारी पुलिस लाइन, प्रभारी पुलिस लाइन तथा पुलिस लाइन के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

जिला कारागार का किया गया निरीक्षण : साफ–सफाई दुरूस्त रखने हेतु दिए गए निर्देश

जौनपुर सू.वि. : उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार एवं माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एम0 पी0 सिंह के निर्देशों एवं अनुमति से कोविड–19 के दिशा–निर्देशों का पालन करते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में सचिव पूर्णकालिक, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जौनपुर श्रीमती शिवानी रावत द्वारा 07 मई 2022 को जिला कारागार, जौनपुर का भौतिक रूप से निरीक्षण एवं विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। निरीक्षण के दौरान महिला बैरक में महिला बन्दियों की समस्याएं तथा जेल अस्पताल में भर्ती बन्दी मरीजों का हाल–चाल पूछा गया। बन्दियों को विधिक एवं मौलिक अधिकारों की विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान करायी गयी तथा बताया गया कि ऐसे बन्दी जो अपने वादों में पैरवी हेतु व्यक्तिगत अधिवक्ता करने में अक्षम है वे अपने मामलों में निःशुल्क पैरवी हेतु जेल अधीक्षक के माध्यम से प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किये जाने पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा मामलों में पैरवी हेतु निःशुल्क अधिवक्ता प्रदान किया जायेगा। उन्हें बताया गया कि ऐसे सिद्धदोष बन्दी जो अपने मामलों में उच्च न्यायालय में अपील करने में अक्षम हों वह कारागार अधीक्षक के माध्यम से अपने प्रार्थना पत्र जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में प्रस्तुत कर सकते हैं। जेलर को निर्देशित किया गया कि उपरोक्त प्रकार के प्रकरण संज्ञान में आने पर तुरन्त जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को अवगत कराना सुनिश्चित करें। समयपूर्व रिहाई के पात्र बन्दियों को चिन्हित कर उनके प्रार्थना पत्र तैयार कर नियमानुसार अग्रिम कार्यवाही हेतु प्रेषित किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। जेलर द्वारा बताया गया कि जिला कारागार में कुल 1138 बन्दी है, जिनमें 149 पुरूष तथा 02 महिला सिद्धदोष बन्दी हैं तथा 878 पुरूष तथा 51 महिलाएं एवं 29 अल्पवयस्क विचाराधीन बन्दी हैं। कारागार में निरूद्ध महिला बन्दियों के साथ कुल 09 बच्चे हैं। महिला बन्दियों के साथ रह रहे बच्चों के नाश्ता, भोजन आदि की उपलब्धता के सम्बन्ध में पूॅछे जाने पर महिला बन्दियों द्वारा बताया गया कि बच्चों को समय से नाश्ता एवं भोजन उपलब्ध कराया जाता है। जेल अस्पताल के निरीक्षण में साफ–सफाई में कमियों की तरफ इंगित करते हुए साफ–सफाई की व्यवस्था का कड़ाई से पालन करने हेतु जेलर को निर्देशित किया गया। जेलर द्वारा यह भी बताया गया कि बन्दियों के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण हेतु जिला चिकित्सालय से चिकित्सकों की एक टीम का गठन भी किया गया है जिनके द्वारा प्रत्येक बुधवार को बन्दियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जाता है। इस अवसर पर अधीक्षक जिला कारागार एस0के0 पाण्डेय, चिकित्सा अधिकारी डा0 रविराज डिप्टी जेलर राजकुमार सिंह व मनीष कुमार वर्मा, फार्मासिस्ट सतीश कुमार व आशीष मौर्य तथा जेल पी0एल0वी0 गण व अन्य उपस्थित रहे।

कैंसर के इलाज में आई नई तकनीकों के बारे में सम्मेलन आयोजित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। रोग के सामूहिक पर प्रबंधन, आधुनिक उपचार और शुरू में ही डायग्नोसिस करा लेने के महत्व को बताने के लिए मैक्स इंस्टीट्यूट आफ कैंसर केयर, साकेत ने आज एक जन जागरूकता सम्मेलन का आयोजन किया। टेक्नोलॉजी की तरक्की, न्यूनतम चीर–फाड़ वाली कैंसर सर्जरी भी अब आम बात हो गई है। लोगों को अभी भी यह जानकारी देने की जरूरत है कि ऑन्कोलॉजी के क्षेत्र में हालिया तरक्की के कारण कैंसर का अब पूरी तरह इलाज हो सकता है। इसके अलावा शुरुआती डायग्नोसिस कराने से न सिर्फ मरीज के जीवित रहने की संभावना बढ़ जाती है, बल्कि उसके जीवन की गुणवत्ता भी बेहतर हो जाती। मैक्स इंस्टीट्यूट ऑफ कैंसर केयर मैक्स हॉस्पिटल, साकेत, नई दिल्ली के चेयरमैन डॉ. हरित चतुर्वेदी ने कहा, कैंसर की इलाज पद्धतियों में आई हालिया तरक्की की बदौलत आखिरी चरण में भी पहुंच चुके कई तरह के कैंसर के इलाज का शानदार परिणाम मिला है और पिछले कुछ वर्षों के दौरान मरीज के जीवित बचने की दर ठीक हुई है। परंपरागत सर्जरी मुकाबले न्यूनतम कट वाली शल्यक्रिया से मरीज को कई सारे फायदे मिलते हैं, मसलन, छोटा कट तेज रिकवरी, कम दर्द, अस्पताल में कम समय तक रहने की नौबत और सर्जरी के बाद बहुत कम परेशानियां दा विन्सी रोबोटिक असिस्टेड सर्जरी जैसी आधुनिक सर्जिकल टेक्नोलॉजी की मदद से हम बहुत परिशुद्धता के साथ इन प्रक्रियाओं को अंजाम दे पाते हैं जिनमें आपरेशन के बाद कम से कम ख्याल रखना पड़ता है और शीघ्र रिकवरी होती है। दरअसल, महामारी के बाद रोबोटिक सर्जरी की मांग ज्यादा हुई है। क्योंकि इससे मरीजों को अस्पताल में कम समय रुकना पड़ता है और सर्जरी के बाद परेशानियां भी कम होती हैं।'' ग्लोबाकैन 2020 के हालिया आंकड़ों के मुताबिक, कैंसर के सभी मामलों में सिर और गर्दन के कैंसर के मामले 24 फीसदी से अधिक पाए गए हैं जबकि पिछले वर्ष कुल 2.75 लाख मामले पाए गए थे। यह भी दुखद खबर है कि कैंसर के सर्वाधिक मामले उत्तर प्रदेश में ही पाए गए हैं। मैक्स सुपर स्पेशियल्टी हॉस्पिटल, दिल्ली में कैंसर केयर/आन्कोलॉजी के निदेशक डॉ. देवव्रत आर्या ने कहा, 'हमारा अंतिम लक्ष्य कैंसर मरीजों के ठीक होने, जीवित रहने की दर में सुधार लाना तथा महंगे या निष्प्रभावी इलाज का कम से कम इस्तेमाल करने पर है। पहले मरीजों को कीमोथेरापी की जरूरत पड़ती थी लेकिन ऑन्कोलॉजी में परिशुद्धता आने से इस रोग की उपचार पद्धति में जबर्दस्त बदलाव आया है। लक्षित थेरापी के जरिये यह पद्धति अधिक प्रभावी है और कीमोथेरापी की तुलना में इसके बहुत कम साइड इफेक्ट होते हैं। हम सटीक दवाइयों के जरिये लैब टेस्ट करने में सक्षम हो गए हैं, हमारे पास अनुभवी मोलेकुलर ऑन्कोलॉजिस्ट और क्लिनिशियन हैं जो मरीजों को अपनी का लाभ देते हैं। जटिल मामलों को पहले मोलेकुलर ट्यूमर बोर्ड के पास लाया जाता है और कई विभागों के विशेषज्ञों के विचार–विमर्श के बाद ही कोई फैसला किया जाता है।'' मैक्स इंस्टीट्यूट आफ कैंसर केयर में ब्रेस्ट एंड आन्कोप्लास्टिक की कंसल्टेंट सर्जन डॉ. अदिति चतुर्वेदी ने कहा कि आन्कोप्लास्टी तकनीक के आने से नकारात्मक परिणाम कम सुनिश्चित हुए हैं और ब्रेस्ट का आकार भी लगभग

सामान्य बना रहता है। अपने मरीजों को बेहतर परिणाम देने के लिए हम ब्रेस्ट सर्जन, मेडिकल एंड रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट, प्लास्टिक सर्जन, पैथोलॉजिस्ट एवं रेडियोलॉजिस्ट आदि के साथ घनिष्ठ संवाद बनाए रखते हैं।' मैक्स हॉस्पिटल, साकेत, नई दिल्ली में हेड एंड नेक आन्कोलॉजी कंसल्टेंट डॉ. अक्षत मलिक ने कहा, 'पहले गर्दन की सर्जरी और थायरॉयडेक्टोमी की सर्जरी बहुत कष्टकारी होती थी, गर्दन पर भी गहरा दाग पड़ जाता था जो समय के साथ और ज्यादा विकृत तथा भद्दा लगने लगता था। लेकिन हाल की तरक्की और आधुनिक टेक्नोलॉजी की बदौलत जटिल तथा अत्यंत मुश्किल हिस्से का ट्यूमर भी न्यूनतम शल्यक्रिया और सर्जिकल रोबोट की मदद से बड़ी आसानी से निकाल लिया जाता है। इस तरह के ज्यादातर कैंसरों का इलाज अब संभव है और अब इसमें कोई दूसरी बीमारी होने या सौंदर्य बिगड़ने का भी कोई डर नहीं रहता है। कई मामलों में हम उसी अंग के आसपास के टिश्यू से ही मरीज का सौंदर्य बरकरार रखते हैं जिसमें खर्च भी नहीं बढ़ता है।' मैक्स हेल्थकेयर के डॉक्टर भारत में सटीक इलाज के मामले में अग्रणी रहे हैं। दरअसल, अब बड़ी आंत, ब्रेस्ट, मेलानोमा (एक तरह का स्किन कैंसर), ब्लड कैंसर, ओवरियन कैंसर आदि का इलाज अब बड़े पैमाने पर सटीक आन्कोलॉजी पद्धति से ही होने लगा है। मैक्स सुपर स्पेशियल्टी हॉस्पिटल, साकेत में रेडिएशन ऑन्कोलॉजी के एसोसिएट डायरेक्टर डॉ. डोडुल मंडल ने कहा, टोमोथेरापी (रेडिसैक्ट–एक्स9), आईजीआरटी, वीमैट, रैपिडआर्क, रेडियोसर्जरी, स्टीरियोटैक्टिक रेडिएशन, प्रोटोन बीम थेरापी आदि जैसी आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों ने बहुत कम साइड इलेक्ट्स के साथ सटीक उपचार विकल्प दिए हैं। इन सबके कारण कैंसर मरीजों के ठीक होने और जीवन की गुणवता की दर बढ़ी है। मैक्स हॉस्पिटल, साकेत में सभी तरह के कैंसर और कैंसर रहित स्थितियों के इलाज के लिए अत्याधुनिक चिकित्सा और रेडिएशन पद्धतियां उपलब्ध हैं।'' ब्रेस्ट कैंसर पूरी दुनिया में सबसे आम प्रकार का कैंसर है इससे हर साल 23 लाख से ज्यादा महिलाएं पीड़ित होती हैं और वैश्विक स्तर पर कैंसर के मामलों में लगभग 12 फीसदी ब्रेस्ट कैंसर के ही मामले होते हैं। नॉन मेटास्टैटिक ब्रेस्ट कैंसर को ठीक करने में अभी भी सर्जरी ही बड़ा सहारा है और यह सर्जरी मास्टेक्टोमी तथा ब्रेस्ट कंजर्वेशन सर्जरी (बीसीएस) के तरीकों से अपनाई जाती है। उन्नत सर्जिकल तकनीकों की बदौलत शुरुआती चरण में जांच और जीवन की गुणवत्ता पर अधिक ध्यान देने से हमारे ज्यादातर मरीजों के लिए बीसीएस बेहतर विकल्प होता जा रहा है।

विश्वविद्यालय में सकारात्मक ऊर्जा के प्रतीक थे पुरोहितः प्रो. मानस पांडेय

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के प्रबंध अध्ययन संकाय के संगोष्ठी भवन में व्यवसायिक अर्थशास्त्र विभाग की तरफ से प्रोफेसर डॉ. एचसी पुरोहित विभागाध्यक्ष प्रबंध अध्ययन विभाग दून विश्वविद्यालय का विदाई समारोह आयोजित किया गया । समारोह में प्रोफेसर मानस पांडेय ने प्रोफेसर पुरोहित से जुड़ी अपनी स्मृतियों को साझा किया। उन्होंने प्रोफेसर पुरोहित की कार्यकुशलता, सहृदयता व्यवहार कुशलता प्रबंधन दक्षता एवं विपरीत परिस्थितियों में खड़े रहने वाला व्यक्ति बताया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय परिवार में हर किसी को सकारात्मक सोच रखने के लिए वह लगातार प्रेरित करते थे। प्रोफेसर डॉ विक्रम देव ने उन्हें विभाग की अमूल्य धरोहर बताते हुए अपनी स्मृतियों को साझा किया। इंद्रेश गंगवार ने भी अनुभव साझा करते हुए कहा कि यह हमेशा प्रसन्न चित्त ऊर्जावान एवं सभी को प्रोत्साहित करते हुए उनके दायित्वों के निर्वहन के लिए प्रेरित करते रहे हैं । डॉक्टर मुराद अली ने उनको अपना प्रेरणास्रोत एवं मार्गदर्शक बताया। समारोह की अध्यक्षता करते हुए प्रोफेसर अविनाश पाथर्डीकर ने समारोह को भावनात्मक बताते हुए कहा कि एक परंपरा के तहत इस तरह के आयोजनों से हम सबको बहुत कुछ सीखने को मिलता है उनका यहां से जाना संस्था के लिए एक बड़ी रिक्तता पैदा करता है । अंत में

प्रोफेसर पुरोहित मार्मिक होते हुए अपने उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि पूर्वांचल विश्वविद्यालय हमारी कर्म भूमि रही है। यहां मैंने अपने जीवन की बहुमूल्य 17 वर्ष व्यतीत किए इस विश्वविद्यालय में उच्च गुणवत्ता एवं विद्वत्ता के धनी शिक्षकों से एक अच्छा अकादमिक वातावरण निर्मित हुआ । विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय फलक पर ख्याति अर्जित हुई मैंने इसका हिस्सा बनकर हमेशा गौरवान्वित महसूस किया । संचालन डॉक्टर आशुतोष सिंह ने और धन्यवाद ज्ञापन डॉक्टर सचिन अग्रवाल ने किया। इस कार्यक्रम में डॉ परमेंद्र विक्रम सिंह, राकेश उपाध्याय, डॉ सुशील कुमार, अनुपम अभिनव, नेहा विश्वकर्मा, सलोनी स्नेहा शिफा रितिका श्रेयांशी ज करिया आदि उपस्थित रहे।

आवश्यक सूचना

आप सभी पाठक बन्धुओं से अनुरोध है कि आनलाइन समाचार पत्र पढ़नें और ई–पेपर का लाभ लेने हेतु हमारे निम्नांकित वेबसाइट एवं न्यूज पोर्टल - **dku live** चैनल पर सम्पर्क कर लाभ उठायें– उ0प्र0 के सभी जनपदों एवं तहसीलों से पत्रकार बननें के लिए सम्पर्क करें–

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

–संपादक

जनपद में 12 मई 2022 तक चलेंगा निःशुल्क राशन का वितरण

जौनपुर सू.वि. : जिला पूर्ति अधिकारी संतोष विक्रम शाही ने सर्वसाधारण को अवगत कराया है कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजनान्तर्गत आच्छादित अन्त्योदय तथा पात्र गृहस्थी राशनकार्डों को माह–अप्रैल, 2022 के सापेक्ष आवंटित खाद्यान्न (गेहूँ एवं चावल) तथा आयोडाइज्ड नमक (1 किग्रा० प्रति कार्ड), दालध्साबुत चना (1 किग्रा० प्रति कार्ड), रिफाइण्ड ऑयल (1 लीटर प्रति कार्ड) का निःशुल्क वितरण 29 अप्रैल 2022 से प्रारम्भ होकर 12 मई 2022 तक सम्पन्न होना है। उक्त के क्रम में अवगत कराना है कि जनपद–जौनपुर में नैफेड से नमक की प्राप्ति शून्य है। जनपद में नमक, तेल व चना की आपूर्ति होने के उपरान्त वितरण कराने हेतु प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से सूचित किया जायेगा। अतएव समस्त कार्डधारकों को सूचित किया जाता है कि उक्त तीनों सामाग्री प्राप्त होने पर खाद्यान्न के साथ निःशुल्क वितरण कराया जाना प्रस्तावित है। जनपद के समस्त उचित दर विक्रेताओं को निर्देशित किया जाता है कि उचित दर दुकान पर तीनों सामाग्री उपलब्ध होने पर खाद्यान्न के साथ तत्काल वितरण कार्य प्रारम्भ करना सुनिश्चित करेंगे। सम्बन्धित विक्रेता, कार्डधारकों की जानकारी हेतु अपने दुकानों पर आवश्यक सूचना अवश्य चस्पा करेंगें।

अल्पसंख्यक समुदाय के पुत्रियों की शादी हेतु अनुदान करनें के लिए करें आवेदन

जौनपुर सू.वि. : जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी कमलेश कुमार मौर्य ने अवगत कराया है कि अल्पसंख्यक समुदाय (मुस्लिम, सिक्ख, ईसाई बौद्ध पारसी व जैन) के गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले अभिभावकों की पुत्रियों की शादी अनुदान योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2022–23 में पुत्री की शादी अनुदान हेतु आर्थिक सहायता के रूप में रु० 20,000 का अनुदान प्रदान किये जाने का प्राविधान है। जनपद स्तर पर लाभान्वित किये जाने हेतु बजट प्राप्त हो चुका है। शादी अनुदान की वेवसाइट http%//shadianudan.upsdc.gov.in पर आनलाइन आवेदन किया जायेगा, योजनान्तर्गत आवेदन की पात्रता की शर्तें निर्धारित की गयी है।इस योजनान्तर्गत आवेदक की आय गरीबी सीमा के अन्दर होनी चाहिए, शहरी क्षेत्र हेतु रु० 56460 एवं ग्रामीण क्षेत्र हेतु रु० 46080 वार्षिक से अधिक न हो। विवाह हेतु किये गये आवेदन में पुत्री की उम्र शादी की तिथि को 18 वर्ष या उससे अधिक होना अनिवार्य है। पति की मृत्यु के उपरान्त निराश्रित महिला व विकलांग आवेदक को वरीयता प्रदान की जायेगी। एक परिवार से अधिकतम 02 पुत्रियों की शादी हेतु अनुदान अनुमन्य होगा, आवेदक का बैंक खाता स्टेट बैंक आफ इण्डिया, राष्ट्रीयकृत बैंको अथवा रिजर्व बैंक आफ इण्डिया द्वारा अधिकृत ऐसे बैंक में खोला जाय जो कोर बैंकिंग सिस्टम के अधीन हो जिन्हे आई०एफ०एस०सी० कोड प्रदान हो। आवेदक द्वारा आनलाइन आवेदन करने के पश्चात आवेदन की हार्ड कापी समस्त संलग्नकों सहित सम्बन्धित तहसील/ब्लाक में जमा किये जाये, आनलाइन किये गये आवेदनों को तहसील/ब्लाक स्तर से नवीन प्रक्रिया के अन्तर्गत शासनादेशानुसार जांच/सत्यापनोपरान्त अग्रसारित किये गये डाटा का पी०एफ०एम०एस० सर्वर से प्राप्त रिस्पान्स के आधार पर ही जिला स्तरीय समिति से अनुमोदनोपरान्त भुगतान की प्रक्रिया की जायेगी।

राज्यमंत्री गिरीश चन्द्र यादव कल होंगे विभिन्न कार्यक्रमों में सम्मिलित

जौनपुर सू.वि. : प्रभारी अधिकारी प्रोटोकाल ने अवगत कराया है कि मा0 राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), खेल एवं युवा कल्याण विभाग, उ0प्र0 गिरीश चन्द्र यादव 08 मई 2022 को 08.30 से 11.00 बजे तक निकट रिवर व्यू जनसम्पर्क कार्यालय में जनता से भेट करेंगे। अपरान्ह 01.00 बजे श्रीचन्द्र महाविद्यालय पिलखनी, गौराबादशाहपुर में टेबलेट वितरण कार्यक्रम में, 02.00 बजे पूर्वांचल विश्वविद्यालय कैम्पस में टेबलेट वितरण कार्यक्रम सम्मलित होंगे। 03.00 बजे विधानसभा के अन्तर्गत अन्य विभिन्न कार्यक्रमों में सम्मिलित होंगे।

शाहपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत बिछिया रेलवे कॉलोनी में मिली युवक की लाश

गोरखपुर ब्यूरो राजनारायण ओझा : बिछिया रेलवे कॉलोनी ट्रेनिंग स्कूल के पीछे सुबह मोहल्ले के लोग जब जगे तो युवक की लाश देख कर चौक गए तत्काल पुलिस को सूचना दी मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पूछताछ जारी कर दी है दो युवकों को हिरासत में भी लिया गया है 19 वर्षीय मृतक रेलवे कॉलोनी का ही निवासी है पुलिस हिरासत में लिए गए दोनों को युवकों से पूछताछ कर रही है।शो को देखने के बाद हत्या से भी इनकार नहीं किया जा सकता।

facebook YouTube WhatsApp twitter Instagram

–सुविचार–
यकीन और दुआ नजर नही आते मगर नामुमकिन को मुमकिन बना देते है।
–साभार ज्ञानामृत पत्रिका

सम्पादकीय

भारत : 'असहिष्णुता' तेरे कितने रूप?

विगत 20 मार्च को उत्तर प्रदेश में कुशीनगर स्थित बाबर अली को उसके पड़ोस में रहने वाले मुस्लिम पट्टीदारों ने इसलिए दौड़ा–दौड़ाकर मार डाला, क्योंकि उसने विधानसभा चुनाव में भाजपा का प्रचार करने, भाजपा की प्रचंड जीत पर गांव में मिठाई बांटने और मुसलमान होते हुए 'जय श्रीराम' का नारा लगाने का महा–अपराध किया था। कश्मीर में सज्जाद और वसीम का अक्षम्य पाप यह था कि वे भाजपा कार्यकर्ता होने के साथ भारतपरस्त और राष्ट्रवाद की मुखर आवाज थे।

भारत क्या सच में 'असहिष्णु' राष्ट्र है? जी हां, वह भी कई शताब्दियों से। इसका नवीनतम उदाहरण दिल्ली में तब देखने को मिला, जब यहां स्थित 'फॉरेन कॉरेस्पोंडेंट्स क्लब' (एफसीसी) ने पांच मई को फिल्म द कश्मीर फाइल्स के निर्देशक विवेक अग्निहोत्री की प्रस्तावित प्रेस वार्ता और प्रचार संबंधित कार्यक्रम निरस्त कर दिया। बकौल अग्निहोत्री, एफसीसी ने उन्हें फोन पर बताया, 'कार्यक्रम रद्द करना होगा, क्योंकि कुछ बहुत शक्तिशाली मीडिया ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई है और यदि अनुमति दी, तो उन्होंने सामूहिक इस्तीफे देने की धमकी दी है।'

भारतीय इतिहास के रक्तरंजित अध्यायों में से एक पर बनी इस फिल्म के प्रति अभियान किसी से छिपा नहीं है। इसे कभी काल्पनिक बताने का प्रयास होता है, तो कभी इस्लामोफोबिया घोषित करने की कोशिश। यह कोई एकमात्र घटना नहीं। ऐसा ही प्रसंग प्रख्यात दलित विचारक, दलित इंडिया चौंबर्स ऑफ कॉमर्स ऐंड इंडस्ट्री के सलाहकार और भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रोफेसर गुरु प्रकाश पासवान के साथ हुआ था। उन्हें 14 अप्रैल को संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की 131वीं जयंती पर दिल्ली के लेडी श्रीराम कॉलेज फॉर वीमेन के अनुसूचित–जाति/अनुसूचित–जनजाति प्रकोष्ठ ने ऑनलाइन व्याख्यान हेतु आमंत्रित किया था।

किंतु वामपंथी छात्र संगठन स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा इसका विरोध किए जाने पर शिक्षण संस्थान ने उनका आमंत्रण रद्द कर दिया। उपरोक्त घटनाक्रम से कटु सत्य रेखांकित होता है कि भारत में मजहबी के साथ वैचारिक असहिष्णुता सजीव है। अनादिकाल से भारत बहुलतावाद अर्थात सह–अस्तित्व और विविधता में विश्वास रख रहा है, जिसका वैदिक स्रोत एकं सत् विप्राः बहुधा वदंति और वसुधैव कुटुंबकम है। यहां मतभिन्नता को सहन नहीं, अपितु सहज रूप से स्वीकार किया जाता है। इसी कारण भारत ने किसी को बर्दाश्त या सहन नहीं किया।

जब मजहबी प्रताड़ना के शिकार यहूदियों और पारसियों के साथ प्रारंभिक इस्लाम और ईसाइयत का भारत में प्रवेश हुआ, तब स्थानीय लोगों ने उन्हें उनकी पूजा–पद्धति के साथ अंगीकार किया। इस समरसता और सहजता में व्यवधान तब पड़ा, जब एकेश्वरवाद का सिद्धांत–यानी मैं ही सच्चा और बाकी सब झूठे–लाखों लोगों की मौत और उनकी मूल पूजा–पद्धति को ध्वस्त करने की उद्घोषणा लेकर भारत पहुंचा, जिसने न केवल यहां के मूल बहुलतावाद को प्रभावित किया, अपितु उसने कालांतर में यहां के सांस्कृतिक–भौगोलिक स्वरूप को भी बदल डाला।

वर्ष 1947 में भारत का रक्तरंजित विभाजन इसका परिणाम है। इसी घोर 'असहिष्णु' चिंतन और उससे सहानुभूति रखने वाला कुनबा स्वयं को वाम–उदारवादी संबोधित किए जाने से प्रफुल्लित होता है। वास्तव में यह जुमला जिन शब्दों के मिश्रण से बना है, वह विरोधाभास की प्रचंड पराकाष्ठा है। वामपंथ में भिन्न मत वालों के प्रति उदारता की कोई परंपरा नहीं है। विश्व के जिस क्षेत्र को वामपंथ ने छुआ, वहां असहमति रखने वाले और प्रतिकूल विचारों के प्रतिनिधियों को हिंसा के बल पर कुचलने की परंपरा प्रारंभ हो गई।

पूर्व सोवियत संघ, चीन, कंबोडिया, उत्तर–कोरिया आदि इसके उदाहरण हैं। वामपंथी शासन में विरोधियों को सार्वजनिक विमर्श में विचार रखने की स्वतंत्रता नहीं होती और यदि किसी ने ऐसा करने का दुस्साहस किया, तब वह या तो जेल में होगा या फिर अपने प्राणों से हाथ धो बैठेगा। स्वतंत्र भारत की बात करें, तो राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता में दलों के बीच छोटी–मोटी हिंसक झड़पें देश के अलग–अलग भागों में होती रही हैं। किंतु दशकों तक वामपंथ शासित रहे पश्चिम बंगाल और केरल ऐसे दो राज्य है, जहां राजनीतिक–वैचारिक विरोधियों के प्रति हिंसा और हत्या वर्षों से सार्वजनिक जीवन के केंद्र में है।

यही नहीं, जिन क्षेत्रों में यह वर्ग प्रभावशाली है, वहां भी असहिष्णुता प्रचुर है। रामनवमी के दिन दिल्ली स्थित जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में आयोजित पूजा में विघ्न डालने का प्रयास इसका हालिया प्रमाण है। वाम–उदारवादियों प्रदत्त नैरेटिव के कारण देश में भीड़ द्वारा दुर्भाग्यपूर्ण हिंसा में मारे गए अखलाक, जुनैद, तबरेज आदि के नामों से आज समस्त विश्व परिचित है। किंतु दुनिया शायद ही बाबर अली, सज्जाद अहमद खांडे, शेख वसीम बारी आदि को जानती होंगी।

विगत 20 मार्च को उत्तर प्रदेश में कुशीनगर स्थित बाबर अली को उसके पड़ोस में रहने वाले मुस्लिम पट्टीदारों ने इसलिए दौड़ा–दौड़ाकर मार डाला, क्योंकि उसने विधानसभा चुनाव में भाजपा का प्रचार करने, भाजपा की प्रचंड जीत पर गांव में मिठाई बांटने और मुसलमान होते हुए 'जय श्रीराम' का नारा लगाने का महा–अपराध किया था। कश्मीर में सज्जाद और वसीम का अक्षम्य पाप यह था कि वे भाजपा कार्यकर्ता होने के साथ भारतपरस्त और राष्ट्रवाद की मुखर आवाज थे।

वास्तव में, वाम–उदारवादियों की इन घटनाओं के प्रति उदासीनता उनके भारत–हिंदू विरोधी चिंतन के अनुरूप ही है। वर्ष 1989–91 की सच्ची घटनाओं पर आधारित द कश्मीर फाइल्स से भारत सहित शेष विश्व का वह स्वघोषित कुनबा विचलित है, जो कश्मीरी हिंदुओं को मजहबी प्रताड़ना देने में या तो प्रत्यक्ष–परोक्ष रूप से शामिल था या फिर उस विभीषिका को शोषण, गरीबी, क्षेत्रीय असंतुलन और भेदभाव की संज्ञा देकर न्यायोचित ठहराने का प्रयास कर रहा था। आरोप है कि यह फिल्म घृणा पैदा करती है। वास्तव में, यह मजहब आधारित व्याप्त घृणा का प्रतिबिंब मात्र है।

अन्यथा क्या कारण है कि शेष भारत में हिंदू–मुसलमान कई मामलों में अंतर्विरोध या आपसी मतभेद के बाद भी एक साथ रह पा रहे हैं, पर कश्मीर में बहुसंख्यक मुस्लिम समाज पांच प्रतिशत हिंदुओं के साथ शांति से नहीं रह पाया? क्या इसका कोई ईमानदार उत्तर दे सकता है? अकाट्य सच तो यह है कि स्वतंत्र भारत में बहुलतावाद, पंथनिरपेक्षता और लोकतंत्र केवल वहीं सुरक्षित और अक्षुण्ण है, जहां हिंदू बहुसंख्यक हैं। इस समरसता को मजहबी–वैचारिक असहिष्णुता से आज भी कड़ी चुनौती मिल रही है।

ये लेखक के अपनें विचार हैं।

नालन्दा स्कूल में मातृ दिवस को उत्सव के रूप में मनाया : बच्चो ने मातृ शक्ति को किया नमन

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : शनिवार को मातृ दिवस पर नालंदा शिक्षण संस्थान में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन बड़ी धूमधाम से किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रख्यात स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ0 शुभा दीक्षित ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित करने के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया।उन्होंने सभी बच्चों को अपना आशीर्वाद देते हुए कहा कि एक माता ही बच्चो की पहली शिक्षिका है और एक माता की सीख से बच्चो को अच्छे संस्कारो की शिक्षा मिलती है।इसलिये सभी माताओ का बच्चो की उन्नति मे सबसे महत्वपूर्ण रोल है।नन्हे मुन्ने बच्चे एक महकती हुई फुलवारी के समान होती है हमें मिलकर इन्हे प्यार से सींचना है ताकि भविष्य में ये देश की आदर्श नागरिक बन सकें।डॉ दीक्षित ने समाज कल्याण व निर्माण में माताओं और महिलाओं के योगदान व इसमें आधी आबादी की शिक्षा के महत्व को बताया।यह ''महिलाओं द्वारा महिलाओं के लिए महिलाओं का ही कार्यक्रम था।''अर्थात इस कार्यक्रम के आयोजन से लेकर आतिथ्य तक में केवल महिलाओं का ही योगदान रहा।इस अवसर पर विद्यालय में बच्चों ने 'प्रेरित बाल कला' का परिचय देते हुए विभिन्न प्रकार से सुंदर कार्ड्स पोस्टर्स और ड्रॉइंग्स बनाईं। विशिष्ट अतिथि प्रख्यात स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ0 शुभा दीक्षित जी ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित करने के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया।मंच पर उपस्थित वरिष्ठजनों एवं शिक्षिकाओं ने अनेक कार्यक्रम प्रस्तुत किए

एवं सभी बच्चों को अपना आशीर्वाद देते हुए कहा कि बच्चियां एक महकती हुई फुलवारी के समान होती है।हमें मिलकर इन्हे प्यार से सींचना है ताकि भविष्य में ये देश की आदर्श नागरिक बन सकें।इस अवसर पर छोटे–छोटे बच्चों ने अपने मनमोहक नृत्य द्वारा सबका मनमोह लिया।उन्होंने शिक्षिकाओं द्वारा की गई कार्यक्रम से संबंधित गतिविधियों की सराहना की। कार्यक्रम का सभी बच्चों ने खूब आनंद लिया जिसमें समस्त शिक्षिकाओं का सहयोग रहा।

रेहड़ी पटरी वालों को स्वावलम्बी बनाने के लिए दिया जा रहा ऋण:सौरभ दूबे

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : नगर पालिका परिषद के सभागार में बैंक ऑफ इंडिया द्वारा पी एम स्वनिधि ऋण वितरण शिविर का आयोजन किया। शिविर में उपजिलाधिकारी सौरभ दुबे ने बताया कि अगर आप पीएम स्वनिधि योजना के तहत 10000 का कर्ज लेते हैं तो उसके लिए ब्याज सब्सिडी प्रभावी रूप से कुल ब्याज का 30: तक हो सकता है. केंद्र सरकार ने रेहड़ी–पटरी पर कारोबार करने वाले लोगों को बड़ी राहत देते हुए के तहत लोन लेने की अवधि बढ़ा दी है।जो ऋण आपको दिया जा रहा है,उसका सदुपयोग किया।संकल्प लें कि ऋण का व्यवसायिक उपयोग ही करेंगे। ई पेमेंट कर अतिरिक्त लाभ अर्जित करेंगे। श्री दुबे ने बताया कि पी एम की भावना का सम्मान करें।पैसा कमाने के साथ साथ बचाने की आदत भी विकसित करें। नगर पालिका ने आपका चयन किया है।यह योजना फलीभूत हो,ऐसा प्रयास करें। अधिशासी अधिकारी संजय कुमार ने बताया कि पीएम स्वनिधि योजना के लाभार्थियों को आर्थिक स्थिति में मजबूत व स्वावलंबी बनाने के लिए शासन द्वारा दस हजार रुपये के ऋण प्रदान किया जाता है।ऋण प्राप्त कर चुके लाभार्थियों को समय से 12 माह में सही लेन–देन व अदायगी करने पर बीस हजार का ऋण एवं समय पर वापस करने पर पचास हजार का सिक्योरिटी फ्री लोन दिया जा रहा है। एलडीएम जे पी सिंह ने विविध ऋण योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि पी एम स्व निधि योजना में 47 लाभार्थियों के ऋण स्वीकृत किए

गए हैं। बैंक ऑफ इंडिया के मुख्य प्रबंधक मनीष पाठक ने कहा कि बैंक ऑफ इंडिया,हरदोई जनपद का अग्रणी बैंक है।जिसकी 47 शाखाएं जिले में संचालित हैं।असंगठित क्षेत्र के श्रम करने वालों के लिए प्रथम चरण में 10 हजार रुपए की राशि उपलब्ध कराई जाती है।पी एम स्वनिधि योजना के अंतर्गत एक दिन में 47 लोगों के ऋण स्वीकृत कर उनके खातों में भेजा है। इस अवसर पर स्ट्रीट वेंडर इमरान एवं मुस्कान खानम, परमेश्वर दयाल ने प्रधानमंत्री की इस योजना की प्रशंसा की। उपजिलाधिकारी सौरभ दुबे ने शिविर में सभी लाभार्थियों को ऋण स्वीकृत पत्र वितरित किए।इस अवसर पर बैंक अधिकारी वेद प्रकाश पांडेय,कृषि सहायक स्वप्निल कोरे,ऋण सहायक असलम अंसारी,कर निरीक्षक अनस खां आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

युवा कांग्रेस द्वारा ''यंग इंडिया के बोल'' सीजन–2 का किया गया विमोचन

मृत्युन्जय प्रताप सिंह जौनपुर : यहां जिला कांग्रेस मुख्यालय प्रयाग राज में आयोजित प्रेसवार्ता में युवा कांग्रेस द्वारा यंग इंडिया के बोल सीजन–2 राष्ट्रीय स्तरीय भाषण प्रतियोगिता का विमोचन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम का विमोचन करते हुए जिला अध्यक्ष फैसल हसन तबरेज ने प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए बताया कि ''यंग इंडिया के बोल'' केवल एक भाषण प्रतियोगिता नहीं हैं बल्कि यह अभिव्यक्ति का मंच है। जिस दौर में सरकार लोगों की बोलने की स्वतंत्रता छीनने का काम रही उस दौर में युवा कांग्रेस देश के युवाओं को अपनी आवाज बुलंद करने के लिए मंच व अवसर प्रदान कर रही हैं। आज देश में महंगाई, बेरोजगारी, बिगड़ी हुई अर्थव्यवस्था, सार्वजनिक उपक्रमों के निजीकरण जैसे अनेकों ज्वलंत मुद्दे हैं परंतु सरकार अपनी विफलताओं एवं निकम्मेपन को छुपाने के लिए इन मुद्दों पर चर्चा व बहस करने के बजाय जनता को फिजूल के मुद्दों में उलझाकर उनका ध्यान भ्रमित करने का काम कर रही हैं। ऐसे में यह मंच देश के युवाओं की मुखर आवाज बनेगा। यह श्री राहुल गांधी जी का ड्रीम प्रोजेक्ट हैं। देश के आम युवाओं के वक्तव्य कौशल को बढ़ावा देना व उन्हें राजनीति की मुख्यधारा से जोड़कर सहभागी लोकतंत्र को मजबूत बनाना इस कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य व उद्देश्य हैं। तबरेज ने कहा प्रतियोगिता चार स्तर पर आयोजित होगी पहले विधान सभा फिर जिला उसके बाद प्रदेश और राष्ट्रिय स्तर पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा प्रतियोगिता में हिन्दी अंग्रेजी उर्दू सहित स्थानी बोली भाषा में वक्त हिस्सा ले सकेंगे आवेदन के लिए 100 रु का शुल्क देना होगा। इस अवसर पर कार्यक्रम के प्रभारी हमाम वहीद नेकहा कि इस कार्यक्रम के जरिए युवाओं में मौजूदा चुनौतियों से लड़ने की क्षमता विकसित होगी और वह उन चुनौतियों के बारे में

मुखर होकर जनमानस के बीच अपनी बात रखेंगे। इससे समाज में लोकतंत्र को मजबूती मिलेगी और आम जनमानस जनविरोधी सरकार की जनविरोधी नीतियों का जोरदार विरोध करेंगे। इस मौके पर शहर अध्यक्ष विशाल सिंह हुकुम, ने कहा कि युवा कांग्रेस द्वारा चलाये जा रहे 'यंग इंडिया के बोल' कार्यक्रम में युवाओं को अधिक से अधिक जोड़ने व इस प्लेटफार्म के जरिये युवाओं में उनकी सोच को उभारने का सबसे प्रभावशाली कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम में युवाओं को उनकी क्षमता और दक्षता को आम जनमानस के बीच उजागर करने का न सिर्फ मौका मिल रहा है बल्कि इससे अतीत और वर्तमान के बीच जो लोकतंत्र को मजबूत करने की कड़ियां रही हैं उसे जानने और समझने का उत्कृष्ट मौका है। उन्हों ने कहा निःसंदेह युवाओं की बेहतरी के लिए मील का पत्थर साबित होगा। उन्होने कहा कि सभी युवाओं को इस कार्यक्रम को प्रभावशाली तरीके से आयोजित करने में अपनी भागीदारी निभानी चाहिए ताकि आज देश के सामने जो चुनौतियां हैं उसे युवा वर्ग समझ सके और उन चुनौतियों का सामना किया जा सके। जिला कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष फैसल हसन तबरेज, शहर अध्यक्ष विशाल सिंह हुकुम,प्रभारी हमाम वहीद,, अली अंसारी,अजीब वहीद, मोकेश राजभर,आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय मजदूर मंच के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने की मुख्यमंत्री से मुलाकात

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। राष्ट्रीय मजदूर मंच के नेतृत्व में नीरज बोरा भाजपा विधायक उत्तर लखनऊ एवं मंच के अध्यक्ष चंद्र प्रकाश अग्निहोत्री के साथ नेक ''ए'' ग्रेड शिक्षक संघ उत्तर प्रदेश की प्रदेश अध्यक्ष एवं अनुदानित महाविद्यालय विश्वविद्यालय स्ववित्तपोषित अनुमोदित शिक्षक संघ उत्तर प्रदेश की उपाध्यक्ष डॉव पुष्पलता तिवारी एवं मीडिया प्रभारी डॉ नीरज कुमार सिंह की मुलाकात उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से हुई ।उत्तर प्रदेश में नेक ''ए'' ग्रेड प्राप्त 12 अशासकीय सहायता प्राप्त महाविद्यालय में चल रही उच्च शिक्षा गुणवत्ता संवर्धन प्रोत्साहन योजना से संबंधित शासनादेश दिनांक 05.02.2014 के अंतर्गत कार्यरत 192 शिक्षकों के वेतन भुगतान का प्रकरण मुख्यमंत्री के सामने रखा गया लगभग आधे घंटे तक चली वार्ता के अंतर्गत मुख्यमंत्री जी ने कहा कि ''यदि आप लोगों को 4 साल से वेतन भुगतान नहीं हुआ तो इसका कारण क्या था वैसे यहां उच्च शिक्षा मंत्री का मामला है इस प्रकरण को लेकर आप लोग उच्च शिक्षा मंत्री जी से मिलिए''स डॉव पुष्पलता तिवारी ने मुख्यमंत्री से जी को बताया कि यहां योजना अद्यतन क्रियाशील है लेकिन इसके अंतर्गत शासन द्वारा बजट आवंटन न होने के कारण 192 शिक्षक परिवार भुखमरी के कगार पर हैं स योजना के संबंधित शासनादेश 53/सत्तर–2–2014 –16 (390) /2013 दिनांक–5 फरबरी 2014 की पात्रता संबंधी प्रथम शर्त के अनुसार ''महाविद्यालय को नेक द्वारा ए श्रेणी प्रदान किया गया हो तथा जिस दिनांक को योजना लागू होगी उस दिनांक को नेक द्वारा ए श्रेणी प्राप्त महाविद्यालयों को ही पात्रता की श्रेणी में रखा जायेगा। इस आधार पर नेक द्वारा ए श्रेणी प्राप्त 12 अशासकीय सहायता प्राप्त महाविद्यालय वेतन प्राप्त करने के अधिकार हैस मीडिया प्रभारी डॉ नीरज कुमार सिंह ने मुख्यमंत्री से कहा कि योजना के अंतर्गत कार्यरत 4 शिक्षक साथियों की मृत्यु हो चुकी हैस इस शिक्षकों का परिवार सड़क पर आ गया हैस ऐसी स्थिति में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा लागू की गई योजना के अंतर्गत कार्यरत कार्यरत शिक्षकों का वेतन भुगतान होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने भाजपा विधायक नीरज बोरा से कहा कि आप इस प्रकरण को उच्च शिक्षा मंत्री के पास ले जाइए। इसका निस्तारण शिक्षा मंत्री के माध्यम से होगा और 331 महाविद्यालय के विनियमितीकरण का मामला भी उच्च शिक्षा मंत्री के स्तर से निस्तारित किया जाएगा।

अपने "व्यक्तित्व विकास" के लिए ''7 पॉजिटिव हैक'' को लागू करें और परिवर्तन देखें

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। ज्यादातर लोग जो गायब हैं, वह खुद को और विकसित करने के लिए एक स्पष्ट योजना है। ''कैसे'' और ''क्यों'' ''जो उन्हें रास्ते में मार्गदर्शन करेगा – यहां तक कि जब पहला उत्साह चला गया है। एक "व्यक्तिगत विकास योजना'' ''आपको अपने द्वारा की गई दृष्टि को प्राप्त करने में मदद करेगा। '' मनीष नागर '' के अनुसार, जो कि "प्रैक्टेनर लाइफ कोच और डिजिटल मार्केटर रणनीतिकार " है, ने एक कन्फ्रेंस में बताया। 1. अपने ''विजन'' को पूरा करें। अपनी यात्रा को अंत में ध्यान में रखते हुए शुरू करें। वह कौन है जिसे आप विकसित करना चाहते हैं? आपके पास एक अस्पष्ट विचार हो सकता है, लेकिन यह इसे परिभाषित करने और इसे कागज पर काम करने में मदद करता है। निम्नलिखित प्रश्न आपको अपने मिशन स्टेटमेंट को खोजने की दिशा में मार्गदर्शन कर सकते हैं: 1. आपका उद्देश्य क्या है? 2. आप किस तरह का व्यक्ति बनना चाहते हैं? 3. आप किसके बारे में भावुक हैं? 4 आपको क्या प्रेरित करता है? 5. आपके मूल्य क्या हैं? 2. अपनी वास्तविकता की जाँच करें। अपने गंतव्य को चुने जाने के बाद, एक नजर डालें कि आप अभी कहां हैं। जैसा कि परिभाषा इंगित करती है, एक व्यक्तिगत विकास योजना के लिए प्रतिबिंब और आत्म–अवतरण की आवश्यकता होती! 3. ''मील के पत्थर'' सेट करें। अब जब आप जानते हैं कि आप कहाँ हैं और आप कहाँ जाना चाहते हैं, तो यह आपके रास्ते में मील के पत्थर को परिभाषित करने का समय है। परिभाषा के अनुसार, एक मील का पत्थर एक ''अनुसूचित घटना है जो किसी परियोजना के एक प्रमुख प्रसव योग्य घटना के पूरा होने का संकेत देती है। 4. समर्थन की आदतें। इस बिंदु तक, बहुत से लोग अपने सिर में एक ''सरल'' योजना का निर्माण करने का प्रबंध

न करते हैं – ज्यादातर जब नया साल आ रहा है। लेकिन यह वह जगह है जहां बहुमत रुक जाता है, ''लिम्बो'' में एक अस्तित्व के लिए अपने अच्छे इरादों को बर्बाद करता है। 5. डेफाइन ''योर डॉन्स''। आधुनिक कार्यस्थल विकर्षणों से भरे हुए हैं। कुछ चीजों के लिए, आप अच्छी तरह से जानते हैं कि वे आपकी उत्पादकता को अपहरण कर रहे हैं, जैसे कि आपके फेसबुक टाइमलाइन के माध्यम से स्क्रॉल करना या कैफेटेरिया में जाना जब भी आप चौटिंग का मन करते हैं। 6. ''सेट अप'' पुरस्कार, और दंड। जैसा कि हमने पहले देखा है, एक मिशन स्टेटमेंट एक वैध प्रेरक के रूप में काम कर सकता है। यह प्रेरणा का एक आंतरिक रूप है, जिस बड़ी तस्वीर के लिए आप इसे कर रहे हैं। 7. समीक्षाओं के लिए ''योजना''। आप केवल अपने अनुमानों का पालन कर सकते हैं कि आपके लक्ष्यों को स्थापित करते समय कौन सी प्रक्रियाएं आवश्यक होंगी। इन समीक्षाओं में, आपको अपने आप से निम्नलिखित प्रश्न पूछने चाहिए: 1. क्या अच्छा काम कर रहा है? 2. मैंने उस पर क्या पूरा किया, जिस पर मुझे गर्व है? 3. मैंने कहाँ संघर्ष किया? 4. मैं अपने दीर्घकालिक लक्ष्यों के साथ कहां खड़ा हूं? 5. मैं अगले महीने पर ध्यान केंद्रित करना चाहता हूं?

मस्जिद में अजान के लिए लाउडस्पीकर का इस्तेमाल मौलिक अधिकार नहीं : हाईकोर्ट

गोरखपुर ब्यूरो राजनारायण ओझा : देशभर में लाउडस्पीकर विवाद पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आज अहम फैसला सुनाया है. कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है कि मस्जिदों में अजान के लिए लाउडस्पीकर का इस्तेमाल मौलिक अधिकार नहीं हैं. हाईकोर्ट ने अपना यह फैसला सुनाते हुए लाउडस्पीकर का इस्तेमाल किए जाने की इजाजत दिए जाने की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया. इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बदायूं की नूरी मस्जिद के मुतवल्ली की याचिका को खारिज कर दिया। इसके साथ ही, हाईकोर्ट ने अजान के लिए लाउडस्पीकर की इजाजत दिए जाने से इनकार किया. बदायूं के बिसौली तहसील के धोरनपुर गांव की नूरी मस्जिद के मुतवल्ली इरफान की तरफ से याचिका दाखिल की गई थी. याचिका में एसडीएम समेत तीन लोगों को पक्षकार बनाया गया था. एसडीएम द्वारा लाउडस्पीकर के इस्तेमाल की इजाजत वाली अर्जी को खारिज किए जाने को चुनौती दी गई थी. अदालत ने इस मामले में दखल देने से इनकार कर दिया है. कोर्ट ने याचिका में की गई मांग को गलत बताया और अर्जी को खारिज कर दिया।

गोरखपुर में सांसद प्रतिनिधि बने शिव कुमार शाह

गोरखपुर ब्यूरो राजनारायण ओझा : गोरखपुर भाजपा सांसद रवि किशन शुक्ला ने सहजनवा विधानसभा के उनवल नगर पंचायत में भाजपा नेता शिव कुमार शाह को अपना प्रतिनिधि नियुक्त किया है।यह जानकारी सांसद रवि किशन शुक्ला ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर क्षेत्र के लोगो को दी।सांसद द्वारा शिव कुमार शाह को प्रतिनिधि बनाए जाने पर क्षेत्र व भाजपा कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है।सांसद ने खुद मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया है,इस मनोनयन पर क्षेत्र के जनार्दन तिवारी,संतोष तिवारी,योगेश वर्मा, बैजनाथ,अमन निगम,अजय चौधरी, बिट्टू वर्मा आदि लोगो ने शुभकामनाएं दी है।

8 और 9 मई को यूपी में लू का अलर्ट

गोरखपुर ब्यूरो राजनारायण ओझा : उत्तर प्रदेश में मौसम लगातार बदल रहे मौहम में गुरुवार को लखनऊ,अयोध्या, सुल्तानपुर, रायबरेली समेत कई अन्य जिलों में हल्की बारिश हुई। शुक्रवार को भी आसमान में बादल छाएं रहने का अनुमान है। अगले दिनों के तापमान में 4 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी होगी। मौसम विभाग ने 8 और 9 मई को लू का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के निदेशक जेपी गुप्ता ने बताया कि प्रदेश के विभिन्न जिलों में आने वाले दिनों में लू चलने से गर्मी बढ़ेगी। इससे लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।

रूहट्टा स्थित एकलव्य फाउण्डेशन हाल में आयोजित किया गया कार्यक्रम

जौनपुर ब्यूरो : हिन्दी साहित्य के सशक्त हस्ताक्षर वरिष्ठ साहित्यकार, हास्य व्यंग्य की दुनिया में अलग पहचान रखने वाले कृष्णकान्त एकलव्य की पंचम पुण्यतिथि 5 मई को सादगी और कोरोना गाइडलाइन को मद्देनजर रखते हुए रूहट्टा स्थित एकलव्य फाउण्डेशन हाल में सम्पन्न की गई। कार्यक्रम का शुभारम्भ एकलव्य की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर मुख्य अतिथि अशोक सिंह समाजसेवी ने किया। समारोह की अध्यक्षता कर रहे पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष दिनेश टण्डन ने एकलव्य की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। साथ ही साथ डा. पीसी विश्वकर्मा, प्रो. आरएन सिंह, राकेश श्रीवास्तव, आयोजक सरोज श्रीवास्तव ने भी पुष्प अर्पित कर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि दी। जौनपुर जनपद के एक पिछड़े गांव कसनहीं में 27 फरवरी 1940 को साधारण परिवार में जन्मे कृष्णकान्त एकलव्य ने अपनी साहित्य साधना के दम पर हास्य व्यंग्य जगत में अपनी एक अलग पहचान समूचे देश में बनाया। वाह रे विज्ञापनों की आंधी: शराब के कैलेण्डरों पर महात्मा गांधी रचना ने तो एकलव्य को देश के व्यंग्य शिरोमणि में शुमार कर दिया। उक्त बातें मुख्य अशोक सिंह ने कही। अध्यक्षता कर रहे दिनेश टण्डन ने एकलव्य को महान साहित्यकार बनाते हुए कहा कि उन्होंने अपने जनपद का नाम पूरे देश में साहित्य सेवा करते हुए किया। एकलव्य फाण्डेशन परिवार की ओर से राकेश श्रीवास्तव ने कहा कि उन्होंने सादैव मुझे अपने पुत्र समान समझा, प्यार दिया। उनकी कमी हम सभी को सदैव अखरती रहेगी। वह साहित्य और व्यंग्य जगत के पुरोधा रहे। उन्हें याद करना ही हम सभी की सच्ची श्रद्धांजलि होगी। समारोह के द्वितीय सोपान में काव्य गोष्ठी की गई। सबसे पहले गीतकार जनार्दन प्रसाद अस्थाना द्वारा मां सरस्वती वंदना की गई। राजेश पाण्डेय– इस जहां में तू चाहे जहां जाओगे इक जमी एक ही आसमां पाओगे। रूपेश साथी– प्यार में जिंदगी सदा तो खिला, दो दिलों को देता ये तो मिला। डा. संजय सिंह सागर– भारत की इस जन्मभूमि के, प्राण बने हैं अपने राम। सुशील दुबे– जागा भोर भई बोलति चिरैया, भजन काटा राम जी का भइया। कल्लू सनेही– है भरता पेट भरता उनसे जो करते किसानी हैं, मिली आजादी तो मुझको शहीदों की निशानी है। तिरंगे के लिए गर्दन कटे तो गम नहीं स्नेही, हमारा धर्म हो कोई, मगर

हिन्दुस्तानी है। डा. अजय विक्रम सिंह– रंग से रंग मिलाकर देखो, थोड़ा प्यार लुटा के देखो, प्यार में कितना रस ठहरा है दुश्मन गले लगाकर देखो। सभाजीत मिश्र– पाले जो सपोले उसे पस्ताना पड़ेगा, सांपों को क्या पता कि किसका आस्तीन है। अनिल उपाध्याय– पिता के प्रति आदर है मेरे रोम–रोम में, इसलिए हर हफ्ते उनसे मिलता हूं ओल्ड एज होम में। अशोक मिश्र– बिन बोले सब बात समझ ले ऐसी होती है बेटी, कभी न डर की गठरी खाले ऐसी होती है बेटी। गिरीश श्रीवास्तव– फिसलती पांव के नीचे जमीन महसूस होती है, अभी सूखे नहीं आंसू नमी महसूस होती है। जहां भी हो चले आओ हमारे दिल की महफिल में, मुझे पल–पल तुम्हारी ही कमी महसूस होती है। जनार्दन प्रसाद अस्थाना– चली है कैसी अजब हवा यह, नागिन की विषदंत लिए। डा. पीसी विश्वकर्मा– आदमी को चाहिए वो हौसला पैदा करे, मौत के आने का हर दम रास्ता देखा करे। प्रो. आरएन सिंह– तिक्षण दृष्टि का हो धनी, साहस अगर अदम्य, ऐसा ही व्यक्तित्व जगत में कहलाता एकलव्य। रामप्यारे सिंह रघुवंशी– ऊँ पिपरा के छहियां ऊँ दीदी क बहिया, ऊँ अंगुरी पकरि के चलब लरिकइयां, ऊँ दादी के अचरा में बचपन लुकाइल हमै गांव आपन बहुत याद आइल। विनय शर्मा दीप– जानता हूं आपको तवित्तार करना चाहता हूं, हर घड़ी हर पग तुम्हे स्वीकार करना चाहता हूं। श्रीधर मिश्र– तमाम खुशियां तमाम गम किन–किन को याद रखेंगे हम, चलो भूल कर उन बीते दिनों को सिर्फ आज में जीने की खायें कसम। बाबा धर्मपुत्र अशोक– हे भारत मां बन्दन तेरा हम करते अभिनन्दन तेरा, सुनाकर श्रोताओं की सभी कवियों ने वाहवाही बटोरी। अन्त में सभी अतिथियों और श्रोताओं का आयोजक सरोज श्रीवास्तव ने आभार प्रकट किया। कार्यक्रम का सफल संचालन गिरीश श्रीवास्तव गिरीश ने किया। समारोह में मुख्य रूप से आनंद मोहन श्रीवास्तव, सोमेश्वर केसरवानी, जय आनन्द, डा. इन्द्रसेन मुन्ना, इन्द्रजीत मौर्या, एससी लाल, श्याम रतन श्रीवास्तव, दयाशंकर निगम, प्रमोद दादा, अतुल मिश्रा गोपाल, शिपिन रघुवंशी, दिलीप श्रीवास्तव एडवोकेट, रामसेवक यादव, डा. विजय चंद्र पटेल, केके दुबे फौजी, राजकुमार वेनवंशी, सलवंता यादव, अजय सिंह मुन्ना, आनन्द शंकर श्रीवास्तव एडवोकेट, विनय श्रीवास्तव, रवि श्रीवास्तव एडवोकेट, प्रदीप अस्थाना, सुनील अस्थाना एडवोकेट, जितेन्द्र सिंह वैद्य, कृष्ण कुमार श्रीवास्तव, जितेन्द्र सरदार, रामचन्द्र नेता, सुरेश सोनकर, लालजी भारती आदि श्रोता देर रात काव्य गोष्ठी का आनन्द लेते रहे।

जवाहरलाल नेहरू मेमोरियल पीजी कॉलेज में बाँटे गए स्मार्टफोन टैबलेट : छात्रों के चेहरों पर दिखी खुशी

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। उत्तरप्रदेश के युवाओं को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने के लिए योगी सरकार ने युवाओं को स्मार्टफोन /टैबलेट वितरण कर रही है। इस योजना के तहत जवाहरलाल नेहरू मेमोरियल पीजी कॉलेज बाराबंकी में मुख्य अतिथि के रूप में प्राचार्य प्रोफेसर सीताराम सिंह के द्वारा 130 बच्चों को टेबलेट व 432 विद्यार्थियों को स्मार्ट फोन नोडल अधिकारी व वितरण समिति प्रभारियों की देखरेख में किया गया।कालेज के प्रिंसिपल ने बताया की बचे हुए छात्रों को कल भी स्मार्टफोन /टैबलेट किया जाएगा। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में राज्यमंत्री सतीश शर्मा ,सांसद उपेन्द्र रावत के अलावा विधायक व एमएलसी उपस्थित रहेंगे स्मार्टफोन /टैबलेट पाकर सभी छात्रों के चेहरों पर खुशी देखने को मिली ।बी0ए0 फाइनल के छात्र यूसुफ मोईन ने स्मार्टफोन पाकर बहुत खुश नजर आए और कहा की सरकार द्वारा छात्रों को दी जा रही ऐसी योजनाओं से छात्रों का मनोबल बढ़ता है , और छात्रों को आनलाइन पढ़ाई करने में भी मदद मिलेगी ।बता दे कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आदेश पर उत्तरप्रदेश के छात्रों को फ्री लैपटॉप और टैबलेट, स्मार्टफोन सरकार

मुहैया करा रही है ।जिससे छात्रों को इस योजना का लाभ मिला भी है ।इस मौके पर नोडल अधिकारी डॉ बी के गुप्ता व नोडल वितरण समिति प्रभारी डॉ अनुपमा श्रीवास्तव, डॉ अनीता सिंह ,डॉक्टर अमरीश कुमार शास्त्री, डॉ मानव कुमार सिंह डॉ अजीत रजा डॉक्टर पी0जे0पांडे इंजीनियर मंजेश कुमार वर्मा सुश्री निमिशा सिंह व वितरण कार्य में कॉलेज अनुशासन समिति के लोग डॉक्टर संतोष कुमार गौण,डॉ विजय कुमार वर्मा सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति 4.0 कल सभी ब्लाक में लगेगा स्वावलंबन कैम्प

जौनपुर सू.वि. : मिशन शक्ति – 4.0 अभियान के अंतर्गत जनपद के सभी ब्लाक में सोमवार (09 मई) को स्वावलंबन कैम्प लगाए जाएंगे। जिला प्रोबेशन अधिकारी अभय कुमार ने बताया कि अभियान के तहत पति की मृत्यु के उपरांत निराश्रित महिला के लिए पेंशन योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना एवं मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) के लाभार्थियों को चिह्नित करते हुए उनके फार्म भराए जाएंगे और उन्हें अधिक से अधिक लाभ दिलाने की कोशिश की जाएगी। जिला प्रोबेशन अधिकारी ने बताया कि इस संबंध में मुख्य विकास अधिकारी अनुपम शुक्ला ने जिले के सभी खंड विकास अधिकारियों को पत्र जारी कर दिशा–निर्देश जारी किए हैं कि सभी अपने यहाँ जनप्रतिनिधि को जरूर बुलाये साथ ही खंड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया है कि केंद्र और प्रदेश सरकार की ओर से संचालित मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य), पति की मृत्यु के उपरांत निराश्रित महिला पेंशन योजना, बाल संरक्षण सेवा (स्पांसरसिप) बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ आदि योजना में लाभान्वित किए जा सकने वाले परिवारों, महिलाओं तथा बच्चों के आवेदन की समस्त कार्रवाई सिंगल विंडो कैम्प के माध्यम से पूरी की जाएगी। कैम्प में वह सभी अधिकारी और कर्मचारी जिन्हें फार्म भरना है, भरवाना है, फार्म के लिए जरूरी दस्तावेज जारी करना है, सत्यापन के लिए फारवर्ड करना है, सत्यापन करना है, स्वीकृत करना है, एक ही स्थान पर कैम्प में उपस्थित होंगे और आवेदन पूर्ण करने की कार्रवाई पूरी कर आवेदनकर्ता को लाभ दिलाएंगे। डीपीओ ने कहा कि कैम्प लगने से पहले सभी ग्राम सभाओं में लाभार्थियों को योजना से जोड़ने के लिए कैम्प के आयोजन स्थल व दिनांक का व्यापक प्रचार–प्रसार किया गया है। जागरूकता के लिए जनप्रतिनिधियों, क्षेत्र में प्रभाव रखने वाले लोगों, धर्म गुरुओं के साथ ही समाजसेवी, स्वयंसेवी संस्थाओं का सहयोग लिया जा रहा है। कैम्प को सफल बनाने, ज्यादा से ज्यादा लाभार्थियों को जोड़ने के लिए कैम्प से एक दिन पहले सभी ग्राम सभाओं में प्रधान की अध्यक्षता में ग्राम बाल संरक्षण समिति की बैठकें करायी जा रही है। जोखिम में आए बच्चों व महिलाओं को चिह्नित कर स्वावलंबन कैम्प के लिए जागरूक किया गया है। योजनाओं से संबंधित आवेदन तथा अभिलेख तैयार कराने के लिए कार्रवाई की जाएगी।

अज्ञात बदमाशों ने चाकू से गोदकर पहलवान को उतारा मौत के घाट

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : थाना जफराबाद क्षेत्र स्थित धर्मापुर बाजार के पास कल सायंकाल कानून की धज्जियां उड़ाते हुए दबंग बदमाशो ने खुले आम चाकू बाजी करते हुए एक पहलवान को मौत की नींद सुला दिया है। घटना को अंजाम देने के पश्चात हमलावर फरार हो गये अब पुलिस अंधेरे में लकीर पीटते हुए विधिक कार्यवाई में जुट गयी है। मिली खबर के अनुसार धर्मापुर बाजार के पास स्थित राजेपुर गांव में अखाड़ा पर पहलवानो के दौड़ आदि को लेकर कुछ दिन पूर्व विवाद हुआ था। उसी रंजिश को लेकर आज सायंकाल बादल यादव निवासी धर्मापुर ठकुरची थाना क्षेत्र गौराबादशाहपुर का पहलवान अपने साथी अंकित यादव निवासी ग्राम उत्तरगांवा थाना क्षेत्र जफराबाद के साथ दौड़ लगा कर वापस अपने घर को लौट रहे थे। तभी रास्ते में चाकू से लैस बदमाशो ने हमला कर दिया और बादल नामक पहलवान को इतना चाकू घोपा कि अस्पताल पहुंचने के बाद उसकी मौत हो गयी। जबकि अंकित जिला अस्पताल में जीवन मौत के बीच संघर्ष रत है।

किशोर न्याय अधिनियम पर संगोष्ठी आयोजित

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : सरजू प्रसाद शैक्षिक सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था द्वारा जज कॉलोनी जौनपुर के तत्वाधान में विधिक जागरूकता शिविर किशोर न्याय अधिनियम के तहत आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जन शिक्षण संस्थान के डायरेक्टर डॉक्टर सुधा सिंह ने दीप प्रज्वलित करके किया। ने कहा कि पंचायतों के

प्रतिनिधियों के माध्यम से जन जागरूकता बाल विवाह के संदर्भ में बड़े पैमाने पर की जा सकती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विधिक सेवा प्राधिकरण के मध्यस्थता अधिकारी डॉ दिलीप सिंह ने कहा कि बाल विवाह पर पूरी दुनिया में लगभग सभी देश में प्राचीनतम काल से विद्यमान रहा है लेकिन भारत में ज्ञात आंकड़ों में सबसे अधिक पूरी दुनिया में बाल विवाह होता है। एक आंकड़े के अनुसार दुनिया के सारे बाल विवाह का 40: भारत में होता है। इसमें हिमाचल प्रदेश में सबसे कम 9: बाल विवाह होता है। सबसे अधिक बाल विवाह राजस्थान में होता है। शारदा एक्ट में सर्वप्रथम 1929 में बाल विवाह की सीमा 14 से 18 वर्ष मानी गई थी। जिसे 1978 में बढ़ाकर कम से 18 से 21 वर्ष कर दिया गया था लेकिन 2021 में यह आयु सीमा बालक – बालिकाओं का दोनों समान रूप से 21 वर्ष कर दिया गया है। यह माना जाता है कि बाल विवाह से जहां अनेक कुसंस्कार समाज में पैदा होता है वहीं महिलाओं की शैक्षणिक तथा अन्य प्रगति में बाधा उत्पन्न होती है उनसे बीमारी एचआईवी जैसे भयंकर रोगों के साथ–साथ गर्भस्थ शिशु के मरने की दर भी बहुत ज्यादा हो जाती है और महिलाएं आत्मनिर्भर नहीं हो पाती हैं। यह बहुआयामी एक ऐसा सूत्र है जिसे समाप्त किए बिना भारत का चौमुखी विकास संभव नहीं है। आज जरूरत है कि सरकार पूरे देश में एक प्रभावी विचार – विमर्श और सामंजस्य समन्वय बनाकर एक ऐसी संस्था का निर्माण करें जिससे पूरे देश में बाल विवाह पर अंकुश लग सके। मुख्य अतिथि जिला प्रोबेशन अधिकारी श्री अभय कुमार ने कहा कि बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के तहत बाल विवाह एक दंडनीय अपराध है इसके लिए 2 साल तक की कड़ी कैद या 100000 तक के जुर्माने की सजा दी जा सकती है। बाल विवाह को रोकने के लिए अदालत निषेधाज्ञा जारी कर सकती है। अनुच्छेद 13, पीसीएमए 2006 इस अधिनियम के तहत उल्लिखित अपराध एक संज्ञेय और गैर – जमानती अपराध है ।अनुच्छेद 15, पीसीएमए 2006, इस कानून के तहत इन लोगों को सजा दी जा सकती है इसमें ऐसा कोई भी व्यक्ति जो बाल विवाह का कराता है या उस को बढ़ावा देता है या उसने सहायता देता है नाबालिक लड़की से शादी करने वाला 18 साल से अधिक उम्र का कोई भी पुरुष हो सकता है ऐसा भी कोई व्यक्ति जिसके पास बच्चे की देखभाल की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम का संचालन गिरीश कुमार ने किया कार्यक्रम में मुख्य रूप से श्रीमती सुषमा सिंह रिपुदमन सिंह समन्वयक मनोज कुमार पाल छाया उपाध्याय ललितेश मिश्र लक्ष्मी नारायण यादव दिनेश मौर्य इत्यादि लोग उपस्थित रहे। अंत में कार्यक्रम आयोजक पूर्व चेयरमैन चाइल्ड वेलफेयर कमेटी/ संस्था सचिव संजय उपाध्याय ने सभी का आभार व्यक्त किया।

आवास विहीन तथा कचरा उठाने वाले व्यक्तियों के राशनकार्ड जारी करने हेतु निर्देश जारी

जौनपुर सू.वि. : जिला पूर्ति अधिकारी ने सर्वसाधारण को अवगत कराया है कि उ0प्र0 शासनादेश के क्रम में जनपद में आवास विहीन व्यक्तियों तथा कचरा उठाने वाले व्यक्तियों के राशनकार्ड जारी करने के सम्बन्ध में निर्देश जारी किये गये हैं। उक्त के क्रम में जनपद–जौनपुर के ग्रामीण/नगरीय क्षेत्र में ऐसे परिवारों का सत्यापन क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी (मु0)/क्षेत्रीय पूर्ति निरीक्षको द्वारा किया गया। नगर पालिका परिषद, जौनपुर अन्तर्गत अहियापुर वार्ड के धरनीधरपुर में मौके पर कुल 11 कूड़ा उठाने वाले परिवारों का मौके पर सत्यापन किया गया, जिसमें 08 परिवारों द्वारा बताया गया कि वे अन्य प्रान्त से आकर जनपद में कूड़ा बीनने का कार्य कर रहे हैं और उनका राशनकार्ड उनके मूल स्थान (अन्य प्रान्त) में पूर्व से बना हुआ है शेष 03 परिवारों को राशनकार्ड हेतु पात्र पाया गया। उन्होंने जनपद के समस्त समाजसेवी संस्थाओं, स्वैच्छिक संगठनों से अनुरोध किया है कि ऐसे परिवार जो स्वच्छकार व कचरा उठाने का कार्य कर रहे हैं और जो आवास विहीन है, उन्हें राशनकार्ड उपलब्ध कराया जाना अत्यन्त ही आवश्यक है। ऐसे परिवार के बारे में उनका राशनकार्ड बनवाये जाने हेतु तहसील/जिला आपूर्ति कार्यालय में सूचित करने/उन्हें भंजने हेतु प्रेरित करें।

पाक्सो एक्ट के अपराध में आरोपी को विभिन्न धाराओं में 22 वर्ष 6 माह कठोर कारावास व 51,000 रूपये के जुर्माने से किया गया दण्डित

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : महिला थाना के जघन्य/ पाक्सो एक्ट के अपराध में मानिटरिंग सेल की प्रभावी कार्यवाही एवं सम्यक पैरवी से आरोपी को विभिन्न धाराओं में कुल मिलाकर 22 वर्ष 6 माह कठोर कारावास व 51,000 रूपये के जुर्माने से दण्डित किया गया। वादिनी/पीड़िता के विरूद्ध अभियुक्त द्वारा भिन्न–भिन्न समय व स्थान पर किये गये अपराध के सम्बन्ध में महिला थाना पर दिनांक 07.09.2014 समय 10.30 बजे प्रातः मु0अ0सं0 05/2014 धारा 363,366,376,342,506 भा0द0सं0 व 3(1)12, 3(2)5 एससी/एसटी एक्ट व 6 पाक्सो एक्ट पंजीकृत हुआ। अभियोग की विवेचना तत्परता से गुणवत्ता कायम रखते हुए पूर्ण की गयी तथा आरोपी के विरुद्ध आरोप पत्र माननीय न्यायालय में प्रेषित किया गया। श्रीमान् वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय जनपद जौनपुर द्वारा महिलाओं/बालकों के विरूद्ध हो रहे अपराधों पर कठोरता से नियंत्रण लगाने एवं अभियुक्तों को अधिकाधिक दण्डित कराने हेतु उपर्युक्त अभियोग को चिन्हित कर जनपदीय पुलिस द्वारा प्रभावी कार्यवाही एवं सम्यक पैरवी हेतु निर्देशित किया गया। श्रीमान् अपर पुलिस अधीक्षक महोदय के कुशल नेतृत्व में मानिटरिंग सेल द्वारा सम्यक पैरवी एवं प्रभावी कार्यवाही के परिणामस्वरुप दिनांक 07.05.22 को न्यायालय अपर सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट(अनन्य), जौनपुर द्वारा आरोपी सिपाही राजेश बहादुर सिंह पुत्र राम अभिलाष सिंह निवासी टाऊन एरिया शंकरगढ वार्ड नं0– 9 थाना शंकरगढ़ जनपद इलाहाबाद को निम्नानुसार दण्डित किया गया– पाक्सो एक्ट की धारा–6 में 12 वर्ष के कठोर कारावास तथा मु0– 25000– रू0 के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। अर्थदण्ड न अदा करने पर उसे 6 माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। धारा –3(1)12 अनुसुचित जाति/अनुसुचित जनजाति अधिनियम के अन्तर्गत दण्डनीय अपराध में 02 वर्ष का कठोर कारावास तथा मु0–5000–रू0 के अर्थ दण्ड से दण्डित किया गया। अभियुक्त द्वारा अर्थदण्ड अदा न करने पर उसे 01 माह का अतिरिक्त कठोर कारावास भुगतना होगा। भा0द0सं0 की धारा –363 के अन्तर्गत दण्डनीय अपराध में 2 वर्ष के कठोर कारावास तथा मु0– 5,000– रू0 से दण्डित किया गया। अर्थदण्ड न अदा करने पर अभियुक्त को 1 माह का अतिरिक्त कठोर कारावास भुगतना होगा। भा0द0सं0 की धारा –366 के अन्तर्गत दण्डनीय अपराध में 4 वर्ष के कठोर कारावास तथा मु0– 10,000– रू0 से दण्डित किया गया। अर्थदण्ड न अदा करने पर अभियुक्त को 02 माह का अतिरिक्त कठोर कारावास भुगतना होगा। भा0द0सं0 की धारा– 342 के अन्तर्गत दण्डनीय अपराध में 6 माह के कठोर कारावास तथा मु0– 1,000– रू0 के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया अर्थदण्ड न अदा करने पर उसे 15 दिन का अतिरिक्त कठोर कारावास भुगतना होगा। भा0द0सं0 की धारा–506 के अन्तर्गत दण्डनीय अपराध में 02 वर्ष के कठोर कारावास तथा मु0– 5,000–रू के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। अर्थदण्ड अदा न करने पर उसे 02 माह का अतिरिक्त कठोर कारावास भुगतना होगा। अभियुक्त की सभी सजाएं साथ–साथ चलेंगी। अभियुक्त द्वारा पूर्व में बिताई गयी कारावास की अवधि इस अवधि में समायोजित की जाएगी। अभियुक्त से अर्थदण्ड के रूप में वसूल की जाने वाली सम्पूर्ण धनराशि पीड़िता को नियमानुसार अदा की जाएगी।

कलेक्ट्रेट स्थित प्रेक्षागृह में संपूर्ण समाधान दिवस का किया गया आयोजन

जौनपुर सू.वि. : जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/उपजिलाधिकारी सदर हिमांशु नागपाल की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट स्थित प्रेक्षागृह में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर मुख्य रूप से राजस्व विभाग, राशनकार्ड, भूमि विवाद की शिकायतें प्राप्त हुई, जिसपर जिलाधिकारी द्वारा सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें। संपूर्ण समाधान दिवस में कुल 118 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से 19 शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया तथा शेष शिकायतों को संबंधित अधिकारियों को प्रेषित कर एक सप्ताह के अंदर निस्तारण कराने के निर्देश जिलाधिकारी द्वारा दिए गए। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि

संपूर्ण समाधान दिवस में जो भी शिकायतें प्राप्त हुई है उनका निस्तारण जांच करके गुणवत्तापूर्वक कराया जाए तथा जो शिकायते महिलाओं एवं वृद्धों से सम्बन्धित है उसका निस्तारण प्राथमिकता से करे।

14 मई 2022 को लगेगी राष्ट्रीय लोक अदालत : बैंक वसूली वादों के निस्तारण हेतु हुई तैयारी बैठक

जौनपुर सू.वि. : उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार एवं माननीय जनपद न्यायाधीश/ अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मदन पाल सिंह के आदेशानुसार 14 मई 2022 को जनपद न्यायालय परिसर जौनपुर में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में बैंक वसूली के अधिकाधिक वादों का निस्तारण के सम्बन्ध में विचार विमर्श हेतु नोडल अधिकारी लोक अदालत/अपर जिला जज की अध्यक्षता में रमेश दूबे एवं सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जौनपुर श्रीमती शिवानी रावत की सह अध्यक्षता में ए0डी0आर0 भवन, दीवानी न्यायालय, जौनपुर में 07 मई 2022 को समय 12:00 बजे बैठक का आयोजन किया गया। नोडल अधिकारी रमेश दूबे द्वारा बैठक में उपस्थित भारतीय स्टेट बैंक, यूको बैंक एवं इण्डियन बैंक के शाखा प्रबन्धकगण को निर्देशित किया गया कि जनपद के समस्त शाखा प्रबन्धकों से एन0पी0ए0 खातों की सूची प्राप्त कर प्राथमिकता के आधार पर ऋणी को नोटिस प्रेषित कराकर अधिकाधिक वादों का निस्तारण कराना सुनिश्चित करें। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती

शिवानी रावत द्वारा प्रबन्धकगण को निर्देशित किया गया कि जनपद की अपनी–अपनी सभी शाखाओं से समन्वय स्थापित कर बकायेदारों की नोटिस तैयार कर अविलम्ब प्रस्तुत किया जाना सुनिश्चित करें, ताकि आवश्यक कार्यवाही कर आगामी लोक अदालत में अधिकाधिक वादों का निस्तारण कराया जा सके। बैठक में बैंक आफ इण्डिया, इण्डियन बैंक, यूनियन बैंक आफ इण्डिया, इण्डियन ओवरसीज बैंक, बैंक आफ बड़ौदा, सेंट्रल बैंक आफ इण्डिया, बड़ौदा यू0पी0 बैंक, श्री राम सिटी फाईनेन्स, ए0ओ डी0एम0 कार्यालय, केनरा बैंक के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहें।

5.46 मिनट में हिल गया प्रशासन, कहा–सीएम के सुरक्षा अधिकारी का भतीजा हूं, हमसे पंगा मत लेना

चित्रकूट ब्यूरो : उत्तर प्रदेश के चित्रकूट जिले में सोशल मीडिया पर शनिवार को वायरल एक ऑडियो ने प्रशासन में हड़कंप मचा दिया। एक ट्रक संचालक ने तहबाजारी मांगने पर ठेकेदार के कर्मचारियों को फोन पर धौंस–धमकी देते हुए खुद को मुख्यमंत्री के सुरक्षा अधिकारी का भतीजा बताया। उसने धमकाते हुए कहा कि उसकी तीन गाड़ियां चल रही हैं, उनको मत रुकवाना। हमसे पंगा लेना महंगा पड़ेगा। शनिवार को वायरल होने वाले ऑडियो को एसपी अतुल शर्मा ने संज्ञान में लिया है। उन्होंने इसकी जांच एएसपी शैलेंद्र कुमार राय को सौंपी है। ऑडियो में खुद को बताया पावरफुल भाजपाई वायरल ऑडियो 5.46 मिनट का है, जिसमें एक शख्स खुद को सीएम के सुरक्षा अधिकारी का भतीजा बता रहा है। जिला पंचायत के तहबाजारी ठेकेदार के कर्मचारियों से बातचीत कर रहा है। कोई गाड़ी रुकवाए, तो सीधे चढ़ा देना। उसने कर्मचारी से कहा कि यहां के अधिकारी उसे अच्छी तरह से जानते हैं। उसकी तीन गाड़ियां चल रही हैं, जिनसे यहां से लेकर प्रयागराज तक कोई एंट्री नहीं ली जाती है। जिला पंचायत अध्यक्ष का जिक्र करते हुए धमकाया कि उसको उन लोगों ने ही बनवाया है। कर्मचारी ने जब कहा कि वह ठेकेदार से बात कराएंगे, तो उस शख्स ने स्पष्ट तौर बोला कि वह किसी से बात नहीं करेगा। उसने अपने चालकों से कह दिया है कि अगर कोई गाड़ी रुकवाए, तो सीधे चढ़ा देना। दो–चार अगर मर भी गए, तो उनका कुछ होने वाला नहीं है। वायरल ऑडियो में खुद को पावर फुल भाजपाई बताते हुए कर्मचारी को धमकाते हुए कहा कि अगर उससे पंगा लिया, तो ठेकेदारी नहीं चल पाएगी। एसपी ने दिए सख्त कार्रवाई के निर्देश एसपी अतुल शर्मा का कहना है कि वायरल ऑडियो संज्ञान में आया है। इसकी जांच एएसपी से कराई जा रही है। इस तरह धौंस–धमकी देकर सरकार को बदनाम करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

राम नगरी अयोध्या में मनीराम के घर आकर सीएम योगी आदित्य नाथ ने खाया दोपहर का खाना

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) पूर्व नियोजित कार्यक्रम के मुताबिक सीएम योगी आदित्याथ शुक्रवार को अयोध्या पहुंचे।वही इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने दलित परिवार के घर भोजन किया।इससे पहले वे रामलला और हनुमानगढ़ी पहुंचकर पूजा अर्चना की और अधिकारियों के साथ परियोजना की समीक्षा बैठक भी की।फिर वे अयोध्या के कटरा, वार्ड–विभीषण कुंड के पूर्व माध्यमिक विद्यालय का निरीक्षण किया।इस दौरान मुख्यमंत्री ने बच्चों से बात भी की।इन कार्यक्रमों से निपटने के बाद मुख्यमंत्री दलित परिवार के घर भोजन करने भी पहुंचे।सूत्र के मुताबिक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थी बसंती और मनीराम के घर पहुंचकर भोजन ग्रहण किया।इस दौरान सीएम योगी और उनके साथ आए मंत्री जमीन पर बैठक खाना खाते नजर आए।वही भोजन करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने मनीराम के पूरे परिवार के साथ फोटो भी खिंचवाई।इस मौके पर मनीराम और बसंती ने सीएम योगी के लिए खाने

में दाल चावल, लौकी की सब्जी, रोटी, रायता और सलाद आदि परोसा था।मुख्यमंत्री के साथ ही मनीराम के परिवार ने भी भोजन किया।वहीं सीएम के घर पर आकर खाना खाने से मनीराम और उनके परिवार की खुशी का ठिकाना नहीं रहा।उन्हें विश्वास ही नहीं हो रहा है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने उनके घर भोजन किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने गुप्तार घाट पर महाराणा प्रताप की प्रतिमा का किया अनावरण

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) सूबे के सीएम योगी ने कहा कि महाराणा प्रताप भारत के पराक्रम व शौर्य के प्रतीक हैं।वे यह बाते गुप्तारघाट पर उस जगह कही जहां पर भगवान श्रीराम ने अपनी अंतिम यात्रा की थी,यहां महाराणा प्रताप की प्रतिमा की स्थापना एक पुनीत कार्य है।अपने संबोधन में उन्होने कहा कि आज सभी के सहयोग से भव्य श्रीराम मंदिर का निर्माण हो रहा है।वही एक साल के अंदर भगवान श्रीराम अपने गर्भगृह में विराजमान हो जाएंगे।मंदिर ऐसा होगा–न भूतो न भविष्यति।यह बाते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को गुप्तारघाट पर स्थापित महाराणा प्रताप की भव्य प्रतिमा के अनावरण के बाद जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप भारत के पराक्रम व शौर्य के प्रतीक हैं। गुप्तारघाट जहां श्रीराम ने अपनी अंतिम यात्रा की थी, यहां महाराणा प्रताप की प्रतिमा की स्थापना एक पुनीत कार्य है। महाराणा ने मात्र 28 वर्ष की उम्र में अपनी दूरदर्शिता, पराक्रम, शौर्य के बल पर अभाव की चिंता किए बगैर विशाल सेना बनाकर अकबर की सेना का सामना किया

और मेवाड़ को आजाद कराया। जब भी भारत के शौर्य की बात होगी तो महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी व गुरु गोविंद सिंह का नाम प्रमुखता से लिया जाएगा। कहा कि आज गुप्तारघाट से अयोध्या तक रिवर फ्रंट का निर्माण हो रहा है। आने वाले दिनों में जब पर्यटक यहां आएंगे तो वह महाराणा प्रताप का गुणगान किए बिना नहीं रह पाएंगे। इस दौरान उन्होंने मूर्ति का निर्माण करने वाले राजस्थान के कारीगर महावीर का सम्मान भी किया।

जिले के महाराजगंज पुलिस ने मड़ना में छापा मारकर भट्ठियां व लहन को किया नष्ट

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या)जिले के थाना महाराजगंज क्षेत्र के पुलिस चौकी पूरा बाजार अंतर्गत अवैध शराब बनाने और बेचने की सूचना पर ग्राम मड़ना में सीओ सदर एसपी गौतम के निर्देशन में थानाध्यक्ष महाराजगंज दिनेश कुमार सिंह की अगुवाई में पुलिस टीम ने छापा मारकर कच्ची शराब बनाने की 12 से भी अधिक

भट्ठियों को तोड़ा।यही नहीं तकरीबन 3 हजार लीटर अधपकी कच्ची शराब व लहन को भी नष्ट कराया गया।इस संबंध में थानाध्यक्ष महाराजगंज दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस टीम को आता देख शराब बनाने वाले माझा क्षेत्र में भाग निकले। उन्हें चिह्नित कर उनकी तलाश की जा रही है। साथ ही उन लोगों पर नजर रखने के लिए टीमें भी लगाई गई हैं। जो भी कच्ची शराब बनाने वालों को संरक्षण देते हैं।तो पुलिस उनके खिलाफ भी कार्यवाही करेगी।उन्होंने कहा कि अवैध कच्ची शराब बनाने व बेचने वालों के खिलाफ यह अभियान चलता रहेगा। गौरतलब है कि मड़ना गांव में काफी दिनों से शराब बनाने का कारोबार चल रहा है। कई बार पुलिस की टीमें छापा मारकर भट्ठियां तोड़ती हैं और शराब नष्ट कराती हैं, लेकिन शराब माफियाओं के हौसले इतने बुलंद हैं कि वे फिर से वहां फैक्ट्री शुरू कर देते हैं।

34 वी वाहिनी पीएसी वाराणसी सेना नायक डा. मिश्र की अध्यक्षता में सैनिक सम्मेलन व जोनल गोष्ठी का हुआ आयोजन

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) 34 वी वाहिनी पीएसी वाराणसी पीआरओ सेल के मुताबिक डा० राजीव नारायण मिश्र,आई.पी.एस 'सेनानायक' 34वीं वाहिनी पीएसी वाराणसी की अध्यक्षता में 34 वी वाहिनी के मनोरंजन कक्ष में सैनिक सम्मेलन का आयोजन किया गया।इस मौके पर सबसे पहले पीएसी गान का कार्यक्रम हुआ।उसके पश्चात इस सम्मेलन की कार्यवाही प्रारम्भ की गई।इस सम्मेलन में उन्होने वहाँ पर उपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों से उनकी व्यक्तिगत, विभागीय व सामुहिक समस्याओं की जानकारी लेकर समस्याओं का निराकरण किया गया।इस मौके पर उन्होने सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए कहा कि एडीजी पीएसी द्वारा दिए गए एक नए वाक्य 'कार्य दक्षता' पर विशेष ध्यान रखते हुए आप सभी अपने अपने कार्यों के बारे में संपूर्ण जानकारी रखना सुनिश्चित करें।इस मौके पर उन्होने वहाँ पर उपस्थित अधिकारियों व कर्मियो को चेतावनी भरे शब्दों में साफ साफ कहा कि आप सभी के अनुशासन के स्तर में कमी आ रही है,अतः आप अनुशासन के दायरे में रहकर ही अपनी डियूटी को सम्पादित करें।जिसकी ड्यूटी जहां भी रहती है उसकी सम्पूर्ण जानकारी रखें, डियूटी में आपका क्या कर्तव्य है? क्या करना है तथा क्या

नहीं करना है,उसकी जानकारी आप को होनी चाहिए।वही इस मौके पर उन्होने जवानों को स्वस्थ रहने के लिए रोजाना मॉर्निंग वॉक व्यायाम तथा आवश्यक योगाभ्यास करने हेतु कहा।इसके तत्पश्चात जोनल मीटिंग की कार्यवाही वाहिनी सभागार में शुरू की गई जिसमें वाराणसी जोन में व्यवस्थापित पीएसी दलों के दलनायक व पोस्ट प्रभारी उपस्थित हुए।इस मौके पर सेनानायक द्वारा सभी से परिचय प्राप्त करने के उपरांत सभी से उनकी ड्यूटी व्यवस्थापन स्थल पर आने वाली समस्याओं की जानकारी ली तथा उसका निस्तारण कराया गया।

मुसहर बस्ती में महिला शक्ति केंद्र की टीम ने योजनाओं की जानकारी दी

जौनपुर सू.वि. : मिशन शक्ति फेस 4 के तहत महिला शक्ति केंद्र की टीम ने जिला प्रोबेशन अधिकारी अभय कुमार के निर्देशन में शनिवार को सिटी स्टेशन के पास स्थित गांव धरनीधरपुर की मुसहर बस्ती में लोगों को योजनाओं के बारे में जानकारी दी। उन्हें निराश्रित महिला पेंशन योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) योजना का फायदा उठाने का तरीका समझाया। महिला शक्ति केंद्र की जिला समन्वयक प्रतिभा सिंह ने बताया कि 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चे जिन्होंने कोविड के दौरान अपने माता–पिता दोनों को खो दिया है, या दोनों में से किसी एक को खो दिया है, उन्हें मुख्यमंत्री बालसेवा योजना का फायदा मिल सकता है। इसके तहत उन्हें पढ़ाई–लिखाई में सहयोग करने के लिए सरकार 4,000 रुपये प्रतिमाह की सहायता राशि देती है। उन्होंने कहा कि एक मार्च 2020 के बाद किसी भी कारणवश माता–पिता दोनों या दोनों में से एक को खोने वाले बच्चों के लिए मुख्यमंत्री बालसेवा योजना (सामान्य) है। ऐसे बच्चों को सरकार प्रतिमाह 2,500 रुपये की सहायता राशि प्रदान करती है। महिला शक्ति केंद्र की जिला समन्वयक बबिता ने कहा कि 18 वर्ष से अधिक उम्र की ऐसी महिला जिसके पति की मृत्यु हो चुकी है। परिवार की आय दो लाख रुपये से कम है तो वह निराश्रित महिला पेंशन योजना के लिए आवेदन कर सकती है। इस योजना के तहत सरकार उसे प्रति माह एक हजार रुपये की सहायता राशि देगी। वहीं मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के तहत बच्ची के जन्म होने पर 2,000 रुपये, एक वर्ष तक पूर्ण टीकाकरण के बाद 1,000 रुपये, पहली कक्षा में प्रवेश के बाद 2,000 रुपये, छठीं कक्षा में प्रवेश पर 2,000

रुपये, नौवीं में प्रवेश पर 3,000 रुपये, 10वीं या 12वीं उत्तीर्ण कर स्नातक या डिप्लोमा कोर्स में प्रवेश लेने पर 5,000 रुपये प्रदान किये जाते हैं। इसके बाद टीम ने मुसहर बस्ती के लोगों की समस्याओं को जाना। महिला शक्ति केंद्र की टीम जिला समन्वयक बबिता और प्रतिभा सिंह ने प्राथमिक विद्यालय हैदरपुर में भी मिशन शक्ति के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया। महिलाओं और बच्चों को सरकार की ओर से संचालित टोल फ्री नम्बर जैसे वूमेन पावर हेल्पलाइन नंबर (1090), महिला हेल्पलाइन नम्बर (181), चाइल्ड लाइन नम्बर (1098), तत्काल पुलिस सेवा नम्बर (112) के बारे में बताया। उन्हें बताया कि किन–किन स्थितियों में इन नम्बरों का उपयोग करना और कैसे–कैसे इसका फायदा उठाना है। बताया गया कि यदि इन टोल फ्री नम्बरों पर अपनी शिकायत दर्ज कराकर चाहते हैं कि आपका नाम सामने न आए तो आपका नाम भी गोपनीय रखा जाएगा। इसके बाद प्राथमिक विद्यालय के कक्षा एक में प्रवेश ले चुकीं बच्चियों को मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के बारे में जानकारी दी। उन्हें बताया कि यदि आपके माता–पिता की केवल दो संताने हैं तब ही आप मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना का लाभ पा सकती हैं।

कोतवाली बीकापुर क्षेत्र में मानवरहित रेलवे क्रॉसिंग पर ट्रेन से कटकर युवक की मौत

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) जिले के अयोध्या प्रयागराज रेलखंड पर मलेथू कनक खजुराहट रेलवे स्टेशन के बीच मरूई सहाय के पास स्थित बने मानवरहित क्रॉसिंग रेलवे फाटक के पास प्रयागराज से दिल्ली आ रही सुपर फास्ट रेलगाड़ी की चपेट में आने से मरूई सहाय निवासी 27 वर्षीय रहमत अली की ट्रेन की चपेट में आने से घटनास्थल पर मौत हो गई।घटनास्थल पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों का मानना है कि यहां पर रेलवे फाटक ना होने से आए दिन यह घटनाएं होती रहती हैं। यह कोई नई बात नहीं है। इसके पहले भी रेलवे फाटक ना होने से कई लोगों की मौत रेल की चपेट में आकर हो चुकी है। वैसे देखा जाए तो इस गांव की आबादी लगभग 2,000 से ज्यादा है, जिसके चलते रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने के लिए सुबह से लेकर रात 9:00 बजे तक लोगों का आना जाना लगा रहता है। रेलवे फाटक ना होने से लोगों में यह भय बना रहता है कि कौन सी गाड़ी का गांव के लोग शिकार बन जाएं।वही लोगों का भी यही कहना है कि रेलवे फाटक बनाने को लेकर गांव वालों ने अपनी कई सूत्रीय मांगों को लेकर मुख्यमंत्री, राज्यपाल, प्रधानमंत्री, तक कई बार अपना ज्ञापन भी दे दिया है, लेकिन रेलवे प्रशासन कुंभकरण की नींद में अभी भी सोया है । रेलवे फाटक निर्माण को लेकर इस गांव के लोगों ने संपन्न हुए 2022 विधानसभा चुनाव का बहिष्कार भी किया था। लेकिन इन गाँव वालों की बदकिस्मती देखिए कि चुनाव संपन्न हो जाने के बाद भी अभी तक कोई भी पार्टी का विधायक व क्षेत्रीय नेता इनका दुख दर्द जानने नहीं आया।

ज्ञानवापी सर्वे का आज दूसरा दिनः मस्जिद कमेटी पक्ष के विरोध चलते शुरू नहीं हो सकी कार्यवाही : हंगामे की आशंका में भारी फोर्स तैनात

वाराणसी ब्यूरो : वाराणसी के ज्ञानवापी परिसर स्थित श्रृंगार गौरी समेत कई विग्रहों के सर्वे और वीडियोग्राफी के लिए आज टीम पहुंची मगर काम शुरू नहीं हो सका। कोर्ट कमिश्नर और वादी पक्ष के पहुंचने के करीब एक घंटे बाद पहुंचे मस्जिद कमेटी पक्ष के अधिवक्ताओं ने सर्वे का विरोध किया। ज्ञानवापी परिसर से बाहर आए सर्वे कमिश्नर ने कहा कि हमें बैरिकेटिंग के अंदर पहुंचने नहीं दिया गया। मस्जिद कमेटी के लोग दरवाजे पर आकर खड़े हो गए। इस तरह सर्वे फिर रूक गया है। अब 9 मई की सुनवाई में पक्ष रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि कोर्ट में स्थानीय प्रशासन के खिलाफ कोई शिकायत नहीं की जाएगी। इससे पहले सर्वे के लिए टीम पहुंची थी तो परिसर के बाहर माहौल बिगाड़ने की कोशिश हुई। चार बजे की नमाज के बाद बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग पहुंचे और नारेबाजी शुरू कर दी। पुलिस ने एक शख्स को हिरासत में लिया इस दौरान पुलिस ने लोगों को हटाया। पुलिस ने एक शख्स को हिरासत में लिया है। पूछताछ में उसकी पहचान अब्दुल कलाम के दौर पर हुई। उसने पुलिस से माफी मांगी। इधर, शुक्रवार को हुए हंगामे को देखते हुए चौक क्षेत्र में भारी पुलिस बल तैनात है। चप्पे–चप्पे पर पैनी नजर रखी जा रही है। इस कार्रवाई को जहां एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कानून का उल्लंघन करने वाला बताया है। तो वहीं मसाजिद कमेटी पक्ष ने कोर्ट कमिश्नर पर पक्षपात का आरोप लगाते हुए अदालत से उन्हें बदलने की मांग की है। उनकी याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा कि सर्वे कमिश्नर और वादी पक्ष अपना पक्ष प्रस्तुत करें। इस मामले की अगली सुनवाई नौ मई को होगी। इधर, सोशल मीडिया पर भी मामले को लेकर तर्क–वितर्क गढ़े जा रहे हैं। श्रृंगार गौरी में दर्शन पूजन करने के लिए वाद दाखिल करने वाली महिलाओं के अधिवक्ता शिवम गौड़ ने बताया कि शुक्रवार को शुरू हुआ सर्वे का काम रविवार तक पूरा होने की संभावना है। सर्वे में तीन दिन का समय लग सकता है बताया कि खसरा नंबर 9130 के सर्वे के हाईकोर्ट ने आदेश दिए हैं। इस आदेश में पूरे खसरे के सर्वे का आदेश है, जिसमें संपूर्ण ज्ञानवापी मस्जिद परिसर और शृंगार गौरी समाहित हैं। ऐसे में इतने बड़े क्षेत्र के सर्वे में तीन दिन का समय लग सकता है। अदालत में मुकदमा दाखिल करने वाली महिलाओं सीता साहू, मंजू व्यास, राखी सिंह के अनुसार वर्ष 1992 तक मां शृंगार गौरी के नियमित दर्शन–पूजन की अनुमति थी। महिलाओं ने पुलिस के अधिकारियों से सुरक्षा की गुहार लगाई थी। सर्वे को देखते हुए वाराणसी पुलिस कमिश्नरेट के 10 थानों की फोर्स और लोकल इंटेलिजेंस यूनिट को अतिरिक्त सतर्कता के साथ माहौल पर नजर रखने के लिए कहा है। सर्वे के आदेश पर भड़के असदुद्दीन ओवैसी एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने शनिवार को ट्वीट कर कहा कि ज्ञानवापी–शृंगार गौरी परिसर के कुछ इलाकों के सर्वेक्षण पर अदालत का हालिया आदेश रक्तपात और मुस्लिम विरोधी हिंसा का रास्ता खोल रहा है। वाराणसी की अदालत के आदेश की निंदा करते हुए असदुद्दीन ओवैसी ने एक ट्वीट में कहा कि काशी की ज्ञानवापी मस्जिद का सर्वेक्षण करने का यह आदेश 1991 के पूजा स्थल अधिनियम का खुला उल्लंघन है, जो धार्मिक स्थलों के रूपांतरण पर रोक लगाता है। यह सरकार का कर्तव्य है कि वो कोर्ट के बताए कि वह गलत क्यों कर रही है। एक अन्य ट्वीट में लिखा कि अयोध्या के फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि अधिनियम भारतीय राजनीति की धर्मनिरपेक्ष विशेषताओं की रक्षा करता है जो संविधान की बुनियादी विशेषताओं में से एक है। असदुद्दीन ओवैसी का बयान अदालत के एक आयुक्त के वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर और ज्ञानवापी मस्जिद में अदालत के आदेश के अनुसार परिसर का सर्वेक्षण और वीडियोग्राफी करने के एक दिन बाद आया है। शुक्रवार को सर्वे के दौरान क्या–क्या हुआ अदालत के आदेश पर शुक्रवार को ज्ञानवापी परिसर में पौने चार घंटे तक सर्वे और वीडियोग्राफी हुई। इस दौरान बाहर सड़क पर दोनों पक्षों की ओर से जमकर नारेबाजी हुई। सर्वे के दौरान एहतियातन आसपास की दुकानें लोगों ने बंद रखीं। कमीशन कार्यवाही के लिए नियुक्त अधिवक्ता आयुक्त अजय कुमार मिश्र अन्य लोगों के साथ शुक्रवार को सवा तीन बजे सर्वे के लिए परिसर में पहुंचे और शाम 7 बजे बाहर निकले। कमीशन को 10 मई को अपनी रिपोर्ट जिला अदालत को देनी है। मां शृंगार गौरी के दर्शन–पूजन को लेकर दायर याचिका पर जिला अदालत ने कमीशन बैठाकर सर्वे व वीडियोग्राफी का आदेश दिया है। पुलिस की कड़ी सुरक्षा में कमीशन की कार्यवाही शुरू हुई। ज्ञानवापी पहुंचे अधिवक्ताओं की भी जांच की गई। इसके बाद अंदर प्रवेश दिया गया। शुक्रवार और सर्वे के चलते परिसर के पास अधिक भीड़ रही। सर्वे जिस समय शुरू हुआ, उस दौरान एहतियातन आसपास की दुकानें लोगों ने बंद कर दीं। पुलिस की ओर से भरोसा दिलाए जाने के बाद आसपास को छोड़कर बाकी दुकानें खुल गईं। ये है पूरा मामला नई दिल्ली की राखी सिंह, लक्ष्मी देवी, सीता साहू, मंजू व्यास व रेखा पाठक की ओर से 18 अगस्त 2021 को सिविल जज (सीनियर डिवीजन) की अदालत में वाद दाखिल किया गया था। इसमें कहा गया है कि भक्तों को मां शृंगार गौरी के दैनिक दर्शन–पूजन एवं अन्य अनुष्ठान करने की अनुमति देने के साथ ही परिसर में स्थित अन्य देवी–देवताओं के विग्रहों को सुरक्षित रखा जाए। वाद में प्रदेश सरकार के अलावा जिलाधिकारी, पुलिस आयुक्त, अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी और काशी विश्वनाथ मंदिर ट्रस्ट को पक्षकार बनाया गया। इस वाद पर मौके की वस्तुस्थिति जानने के लिए सिविल जज (सीनियर डिवीजन) रवि कुमार दिवाकर की अदालत ने पिछले 9 अप्रैल को अधिवक्ता आयुक्त नियुक्त कर कमीशन कार्यवाही का आदेश दिया। कोर्ट ने पुलिस आयुक्त को पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था के लिए निर्देशित किया गया था।

मसाज सेंटर में पकड़े गए अफसर का निलंबन तय : डीपीआरओ ने ब्लॉक अधिकारियों से तलब की रिपोर्ट

बिजनौर ब्यूरो : बिजनौर के स्पा सेंटर में युवती से मसाज कराते हुए पकड़े गए ग्राम विकास अधिकारी फिलहाल जेल में बंद है। जमानत पर सोमवार को सुनवाई होगी। इसी मामले में डीपीआरओ ने बलॉक अधिकारियों से रिपोर्ट तलब कर ली है। दरअसल, नजीबाबाद के स्पा सेंटर में हुई छापामारी में पांच युवतियों समेत 14 लोग गिरफ्तार हुए थे। जिनमें किरतपुर ब्लॉक का ग्राम विकास अधिकारी और पंचायतों में ठेकेदारी करने वाला ठेकेदार भी शामिल था। नजीबाबाद में गुरुवार को पुलिस प्रशासन की टीम ने मसाज सेंटर में छापा मारकर 14 लोगों को पकड़ लिया था। जिनमें पांच युवतियां और नौ युवक शामिल थे। चौंकाने वाली बात यह रही कि पकड़े गए लोगों में सामान्य लोग ही नहीं बल्कि ग्राम पंचायत अधिकारी मोहित डबास निवासी सिखेड़ा और इसी गांव का ठेकेदार पवन भी गिरफ्तार हुआ। सभी लोग स्पा सेंटर में आपत्तिजनक हालत में मिले थे। जिन्हें पुलिस ने कोर्ट में पेश किया। शुक्रवार को इन्हें जेल भेज दिया गया। वहीं आरोपियों की ओर से जमानत की अर्जी कोर्ट में दाखिल की गई, लेकिन कोर्ट ने जमानत पर सुनवाई के लिए सोमवार की तारीख तय की है। ऐसे में ग्राम पंचायत अधिकारी समेत अन्य आरोपियों को जेल जाना पड़ा। ग्राम पंचायत अधिकारी के पकड़े जाने की खबर शनिवार को महकमे के मुखिया तक भी पहुंच गई। जिस पर डीपीआरओ ने किरतपुर के सहायक पंचायत अधिकारी से रिपोर्ट मांगी है। जेल में 48 घंटे का समय बीतने

के नियम पर ही ग्राम पंचायत अधिकारी पर गाज गिर सकती है, निलंबन तय माना जा रहा है। जिलेभर में चल रहे हैं स्पा सेंटर अभी सिर्फ नजीबाबाद में ही स्पा सेंटर पकड़ा गया है, जबकि जिलेभर में स्पा सेंटर चल रहे हैं। जिला मुख्यालय पर चार स्पा सेंटर हैं। जिनमें युवतियां मसाज ही नहीं करतीं, बल्कि अनैतिक काम होने की चर्चाएं रहती है। जिला मुख्यालय पर जिस दुकान में एक स्पा सेंटर चल रहा है, उस दुकान का स्वामी खुद पुलिस को अनैतिक काम होने की आशंका जाहिर कर चुका है। ग्राम विकास अधिकारी के स्पा सेंटर में पकड़े जाने के बाद जेल जाने की जानकारी मिली है। सहायक विकास अधिकारी से मामले की रिपोर्ट तलब की गई है। रिपोर्ट मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। –सतीश कुमार, डीपीआरओ नजीबाबाद में स्पा सेंटर पर छापामारी हो चुकी है। जिले में अन्य जगहों पर भी स्पा सेंटर संचालित होने की जानकारी जुटाई जा रही है। – डॉ. प्रवीन रंजन सिंह, एएसपी सिटी

गोमतीनगर जनकल्याण महासमिति के वार्षिकोत्सव की रूपरेखा की गई तैयार

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। गोमतीनगर जनकल्याण महासमिति की प्रबंध समिति की बैठक होटल कंफर्ट इन विभूति खंड गोमती नगर में आहूत की गई। बैठक में महासमिति के 15 मई रविवार

प्रातः10 बजे सीएमएस ऑडिटोरियम वरदान खंड गोमतीनगर लखनऊ में होने वाले वार्षिक उत्सव के विषय विस्तृत चर्चा हुई एवं कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई। वार्षिकोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में रक्षा मंत्री भारत सरकार राजनाथ सिंह , कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि उपमुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार बृजेश पाठक,आमंत्रित विधायक, एमएलसी उपस्थिति रहेंगे। वार्षिक उत्सव में स्मारिका का विमोचन,विशिष्ट लोगो का सम्मान, सांस्कृतिक कार्यक्रम, उपखंड समितियो की बैठक ,संख्या, कार्यकर्ताओं के दायित्व निर्धारित एवं सुदृढ़ व्यवस्था के लिए टीम का गठन किया गया। कार्यक्रम में कार्यकर्ताओ की शंका का समाधान महासचिव डॉ राघवेंद्र शुक्ल ने किया। अध्यक्ष डॉ प्रो बीएन सिंह के धन्यवाद के बाद कार्यक्रम का समापन किया गया।

थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों के लिए स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन

गोरखपुर मण्डल प्रभारी आशुतोष चौधरी : वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गोरखपुर के निर्देशन में कल दिनांक 08.05.2022 को थैलेसीमिया दिवस के अवसर पर थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों के लिए रक्त की आपूर्ति हेतु रिजर्व पुलिस लाइन्स गोरखपुर में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है । स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन दिनांक 08.05.2022 समय प्रातः 10 बजे से

शाम 04 बजे तक रिजर्व पुलिस लाइन्स गोरखपुर स्थित व्हाइट हाउस में किया गया है । आप सभी जनपदवासी, पुलिस बल के अधिकारी/कर्मचारीगण व पत्रकार बन्धु सादर आमंत्रित है।

सम्पादक मंडल
पं. लाल साहब उपाध्याय (सत्यवेदानन्द जी), बाबा शक्ति नाथ (ज्योतिषाचार्य)श्री विजय कुमार तिवारी, श्री दीपचन्द्र मौर्य (एडवोकेट), श्री सुभाष चन्द्र सेठ,श्री ऋषिकेश द्विवेदी, श्री शिवशंकर तिवारी
प्रमुख कार्यालय– हिन्दी साप्ताहिक " देश की उपासना"
पता–ई 3464,राजाजी पुरम्(निकट मिनी स्टेडियम) लखनऊ उ0प्र0
लखनऊ सम्पादक– श्री पी0सी0श्रीवास्तव मों0 9415545107

स्वात्वाधिकारी की ओर से में0 प्रभुदयाल प्रकाशन के लिए श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव पत्नी श्री प्रभुदयाल श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

सह सम्पादक
श्रीमती हेमा त्रिपाठी
मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI सन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है,समाचार पत्र में प्रकाशित लेख/समाचारों से सम्पादक की सहमति अनिवार्य नही
समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।